आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2004/14674

अजमेर, जोधपुर एवं जयपुर से प्रकाशित राज्य स्तरीय दैनिक

हुक्मनामा समाचार

www.hukmnamasamachar.com

वर्ष 22 : अंक 355 : मूल्य 2 रु. : पृष्ठ संख्या 8

अजमेर, सोमवार, 16 नवम्बर, 2026

www.Lokvarta.net

50 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से बाहर आना आजादी के बाद भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है-मोदी

आदिवासी गौरव दिवस समारोह



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली से आदिवासी गौरव दिवस समारोह में वर्चुअली हिस्सा लिया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि 50 करोड़ लोगों का बहुत ज़्यादा गरीबी से बाहर आना आज़ादी के बाद भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। यह कार्यक्रम आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के मौके पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने आदिवासी समुदायों की तारीफ करते हुए कहा कि वे हमेशा अन्याय के खिलाफ खड़े हुए हैं। इस मौके पर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। इस अवस पर उन्होंने लगभग 3,000 करोड़ रुपये के 246 विकास प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन प्रोजेक्ट्स का मकसद देश भर में आदिवासी समुदायों के जीवन की क्वालिटी को बेहतर बनाना और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है।

प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि जब नक्सलियों ने आदिवासी समुदायों को वोट देने का अधिकार नहीं दिया, तो वे 'मूक दर्शक बनी रहीं'। पीएम मोदी ने कहा, 'नक्सल हिंसा के कारण आदिवासी समुदायों को सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ, जबकि पिछली सरकारों ने उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने उन आदिवासी इलाकों को डेवलप करने के लिए पूरी कोशिश की है, जहां लंबे समय से बेसिक सुविधाओं की कमी थी, और उनके डेवलपमेंट के लिए 1 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा दिए गए हैं। ये प्रोजेक्ट्स शिक्षा, हेल्थकेयर, रोजी-रोटी कमाने और कम्युनिटी इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे खास सेक्टर्स पर फोकस करते हैं, और जरूरी सर्विसेज तक पहुंच को बेहतर बनाने और आदिवासी आबादी के ओवरऑल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने पर जोर देते हैं। प्रोग्राम के तहत प्रधानमंत्री ने 173 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया, जिसमें आदिवासी स्टूडेंट्स के लिए 38 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के तहत 100 मल्टी-पर्पस सेंटर शामिल हैं।



राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ने भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को 151वीं जयंती पर किया नमन

तीन वर्षों में जनजातीय समुदाय के विकास के लिए लगभग 3 हजार 200 करोड़ रुपये का किया प्रावधान-भजनलाल शर्मा



जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज ने देश की संस्कृति, परम्परा और स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदियों तक संघर्ष किया है। इस समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महापुरुषों के बलिदान को सम्मान देना हम सभी का दायित्व है। राज्य सरकार वंचितों को वरीयता देते हुए जनजातीय समाज के शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने रविवार को जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन को सुना। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2021 से धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर शुरू किया गया जनजातीय गौरव दिवस आज राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। वहीं, जनजातीय समाज के महानायकों के योगदान को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान मिल रहा है। इसी क्रम में जनजातीय समुदाय से आने वाली द्रौपदी मुर्मू आज राष्ट्रपति के रूप में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद आसीन हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' संकल्प के तहत जनजातीय क्षेत्रों में विकास की गति बढ़ाने के साथ नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं। वहीं, पीएम-जनमन के माध्यम से जनजातीय समूहों तक बिजली, पानी, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। इसी प्रकार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से विकास की पहुंच दूरस्थ और वंचित जनजातीय क्षेत्रों तक सुनिश्चित की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

अमिताभ के घर फायरिंग की प्लानिंग, 2 शूटर अरेस्ट

अमृतसर। अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है।पुलिस के मुताबिक, विकास दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने आया था। वहीं, दीपक 3 अक्टूबर को अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। दीपक सिंह अमृतसर में 3 अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। इस मामले में उसके साथ शामिल पलविंदर सिंह उर्फ काका को पंजाब पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।पुलिस पूछताछ में पता चला कि दीपक को मुंबई में ज्यादा समय तक रुकने के लिए कहा गया था। उसे अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी। पुलिस के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था।

राहुल गांधी को विदेश नहीं, गांव-गांव घूमने की जरूरत-शाह



पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों से भारत को बदनाम करके आप कभी भी सत्ता हासिल नहीं कर पाएंगे। विदेश यात्रा करने के बजाय आपको गांव-गांव घूमने की जरूरत है। शाह ने हैदराबाद में हुई कांग्रेस की भारत समिट को लेकर राहुल गांधी को जवाब दिया है। पुणे के एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने देश को बदनाम किया है। अगर राहुल जीतना चाहते हैं तो विदेश जाना छोड़े और गांवों में जाना शुरू करें। पूरा देश यही चाहता है कि राहुल गांधी आप जमीन पर आए, गांवों में जाएं। मगर मुझे मालूम है कि अभी थोड़े दिन में ही फिर से विदेश चले जाएंगे। आपकी सत्ता की आकांक्षा इस तरह से पूरी नहीं होगी। अभी कांग्रेस पार्टी ने भारत समिट 2026 हैदराबाद में आयोजित की। देश भर में वामपंथी विचारधारा के प्रचारकों को भारत में बुलाया। कांग्रेस के राजकुमार भी वहां गए। इस समिट का नाम भी भारत समिट रखा गया था, लेकिन राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत विरोधी विचार बोलकर पूरी दुनिया में भारत को बदनाम करने का काम किया है। इस मंच से महाराष्ट्र की जनता को कहने आया हूं और देश भर के लोगों को भी कहना चाहता हूं। जहां पर भी कांग्रेसी मिलें, आप उनको पूछें कि चुनाव लड़ना, हारना, जीतना, ये पार्टी के नेताओं के परफॉर्मेंस पर निर्भर करता है। 10 साल का आपको मौका दिया था, 12 लाख करोड़ के घपले, घोटाले, भ्रष्टाचार किए।



देशभर में छठ-पूजा, डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया

नई दिल्ली। देशभर में महापर्व छठ का आज तीसरा दिन है, व्रतियों ने पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। अब सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने रविवार को लखनऊ में गोमती नदी के किनारे छठ पूजा की।वहीं, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार क्लब में सूर्य को अर्घ्य दिया। उनके साथ दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद रहे।छठ पूजा के लिए दिल्ली में करीब 1400 घाट पर तैयारियां की गई हैं। भीड़ को देखते हुए रविवार दोपहर 2 बजे से 16 नवंबर सुबह 8 बजे तक यमुना घाटों से सटे रास्तों के पास रूट डायवर्जन लागू रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक देश-विदेश से 50 लाख से ज्यादा लोग घर लौटे हैं। दिल्ली सरकार ने छठ पूजा पर 16 नवंबर को छुट्टी का ऐलान किया है।



बिहार में 10 हजार घाटों पर छठ पूजा

पटना। महापर्व छठ के तीसरे दिन बिहार के 10 हजार से ज्यादा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने डूबते सूरज को पहला अर्घ्य दिया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना के घाट पर पहुंचे। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने घर पर पूजा की। छठ पूजा के लिए करीब 50 लाख लोग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे महानगरों समेत दुनिया के कई देशों से बिहार लौटकर आए हैं।

करौली में महिला से सामूहिक दुष्कर्म

पीड़िता की हालत गंभीर, एक आरोपी गिरफ्तार

करौली (हुक्मनामा समाचार)। अंजनी माता मंदिर इलाके में महिला के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। आरोप है कि वारदात के बाद पीड़िता के साथ मारपीट भी की गई। मामले में चार आरोपियों के शामिल होने की आशंका है। सूचना मिलते ही पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। शौच के लिए गई एक महिला की नजर बदहाल हालत में पड़ी पीड़िता पर पड़ी। उसने तुरंत परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे, तब तक आरोपी फरार हो चुके थे।। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भिजवाया। जल्द होगा वारदात का पर्दाफाश: एसपी लोकेश सोनवाल ने बताया कि वे स्वयं मौके पर पहुंचे हैं। घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ घटनाक्रम की जानकारी ली गई है।



सिरोही के पिंडवाड़ा-भूला में अज्ञात बीमारी से दो बच्चों की मौत

सिरोही (हुक्मनामा समाचार)। पिंडवाड़ा ब्लॉक के भूला क्षेत्र स्थित काला महादेव खेड़ा की छीतरिया फली में 2 बच्चों की मौत के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया। मृतकों में 10 वर्षीय एक बालक और करीब साढ़े चार वर्षीय एक बालिका शामिल हैं। बच्चों की मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जानकारी मिलने पर भूला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ। सुनील कुमार गरासिया के नेतृत्व में मेडिकल टीम प्रभावित क्षेत्र में पहुंची।

13 घरों में सर्वे कर 108 लोगों की हुई जांच: टीम ने प्रभावित परिवारों सहित फली के 13 घरों में सर्वे कर कुल 108 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान एक अन्य बच्चे की तबीयत खराब होने की सूचना पर उसका भी उपचार करवाया गया।

पेनल्टी कॉर्नर



पटेला री पोल

मौसम ने अब खाई पलटी, बहने लगी सर्द हवा
लापरवाही बरतेंगे तो, लेनी पड़ेगी डॉक्टरी दवा
ठंडा पानी और ठंडी हवा, दोनों पड़ेगी अब भारी
बदल लो अब अपनी वर्दी, बात लगी चाहे मेरी खारी

..मुखिया जी

पुलिस और गो तस्करों के बीच मुठभेड़

नूंह। नूंह के फिरोजपुर झिरका के सदर थाना क्षेत्र के बीमा गांव में रविवार तड़के 4.30 बजे पुलिस और गो तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई है। सीएस स्टाफ फिरोजपुर झिरका को गो तस्करी की सूचना मिली थी जिसके बाद नाकेबंदी की गई थी। पिकअप सवारों को रुकने का इशारा किया गया लेकिन उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस पर फायरिंग की। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जिसमें दो गोतस्करों की मौत हो गई, जबकि एक गो तस्कर घायल हैं जिनमें से एक की हालत गंभीर है। क्रॉस फायरिंग में एक पुलिसकर्मी हितेश के हाथ में भी गोली लगी है। कट्टे, कारतूस बरामद : मृतकों की पहचान गब्बर उर्फ हड़िया निवासी दौसा राजस्थान और साबिर पुत्र शेर मोहम्मद निवासी बीमा गांव, फिरोजपुर झिरका, नूंह के रूप में हुई है।

कश्मीर-उत्तराखंड में बर्फबारी, दिल्ली-राजस्थान में बूंदाबांदी

यूपी में कोहरा, एमपी के 19 शहरों में ठंड

नई दिल्ली। कश्मीर और उत्तराखंड के कई इलाकों में शनिवार की रात बर्फबारी हुई। इससे रविवार को मैदानी इलाकों में ठंड पड़ने लगी है। हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में अगले दो दिन बर्फबारी की संभावना है।दिल्ली और राजस्थान में हुई हल्की बारिश से मौसम में ठंडक आ गई है।

दिल्ली के अलावा 10 जिलों में बादल छाए हैं। यहां हल्की बारिश का यलो अलर्ट है।मध्य प्रदेश के 19 जिलों में पारा 15 डिग्री से कम है। अनूपपुर के अमरकंटक में सबसे कम 10.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।इधर, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बना कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है। इससे 16 नवंबर की शाम तक चक्रवाती तूफान बन सकता है। चक्रवात बना तो इसका नाम 'अकवान' रखा जाएगा। यह नाम ईरान ने सुझाया है। यह एक महीने में बंगाल की खाड़ी से उठा तीसरा तूफान होगा।



एबीआरएसएम का जिला महिला सम्मेलन आयोजित

शिक्षिकाओं ने संगठन की मजबूती और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का लिया संकल्प

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) जिला भीलवाड़ा के तत्वावधान में रविवार को सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में जिला महिला सम्मेलन उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में जिलेभर से संगठन की महिला पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं जिला कार्यकारिणी की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत जिला महिला मंत्री शारदा विश्नोई, संयुक्त मंत्री सीमा लोहार एवं निर्मला सुखवाल ने किया। प्रथम सत्र में सम्मेलन संयोजिका मंजू कुमावत ने संगठन की स्थापना से लेकर अब तक की विकास यात्रा, रीति-नीति और कार्यपद्धति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठन शिक्षक हितों के साथ शिक्षा की गुणवत्ता, सामाजिक सरोकारों और राष्ट्रीय चेतना के क्षेत्र में राष्ट्रवाद की भावना के साथ निरंतर कार्य कर रहा है।

संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। उन्होंने संगठन की विभिन्न गतिविधियों और आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी भी दी। द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता लघु उद्योग भारती की अध्यक्ष पल्लवी लड्ढा ने महारानी पद्मिनी और नारी स्वाभिमान विषय पर विचार व्यक्त करते हुए महारानी पद्मिनी को नारी अस्मिता और स्वाभिमान का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरणा लेकर समाज में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। शिक्षिकाएं संस्कारवान भावी पीढ़ी के निर्माण के साथ बच्चों में राष्ट्र प्रथम की भावना विकसित करें। उन्होंने कहा कि



महिला सशक्त होगी, तभी राष्ट्र सशक्त होगा। महिला सशक्तिकरण केवल व्यक्तिगत विकास नहीं, बल्कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का आधार है।

चांदमा में ग्रामीणों ने मनाई भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती, श्रद्धांजलि देकर किया याद



टांटोटी (हुक्मनामा समाचार)। चांदमा ग्राम पंचायत मुख्यालय सहित क्षेत्र में रविवार को बिरसा मुंडा की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। महान स्वतंत्रता सेनानी, आदिवासी जननायक और 'धरती आबा' के नाम से विख्यात भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाए जा रहे इस विशेष दिन पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, जन प्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। डूंगरलाल भील ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डाला। साथ ही अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उनके ऐतिहासिक 'उलगुलान' यानि महान विद्रोह को याद किया। उन्होंने कहा कि महज 25 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने जिस तरह आदिवासी समाज को संगठित कर शोषण के खिलाफ आवाज उठाई, वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक स्वर्णिम अध्याय है। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर पारंपरिक आदिवासी नृत्य और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां भी दी गईं। लोगों ने बिरसा मुंडा के दिखाए मार्ग पर चलने और प्रकृति, संस्कृति तथा जल-जंगल-जमीन के संरक्षण का संकल्प लिया। बिरसा मुंडा की जयन्ति के दौरान डूंगरलाल भील, हरिसिंह राठौड़, सूरजकरण जाट, पोलूराम भील, जीतराम बैरवा, कालूराम बैरवा, डूंगर भील, शैतान बैरवा, श्रवण बैरवा, जगदीश भील सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

भक्ति और उल्लास के साथ निकली भगवान सांवलिया पार्श्वनाथ की भव्य रजत रथयात्रा, मुनि संस्कार सागर महाराज का मिला सानिध्य

पिड़ावा (हुक्मनामा समाचार)। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में रविवार को भगवान सांवलिया पार्श्वनाथ की भव्य रजत रथयात्रा महामहोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। गुरुदेव 108 संस्कार सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में निकली रथयात्रा में बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रावक-श्राविकाओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरा नगर भक्तिमय माहौल में नजर आया। भगवान सांवलिया पार्श्वनाथ आकर्षक रजत रथ में विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले। रथयात्रा में प्रसिद्ध संतोष बैंड, नरसिंगा, दिव्य घोष नीमा नगर, डीजे साउंड ट्रॉली एवं आशीष जैन भजन मंडली की प्रस्तुतियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। बैंड-बाजों और भजनों की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए रथयात्रा में शामिल हुए।



रथयात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होकर निकली। इस दौरान श्रद्धालुओं में भगवान के दर्शन करने और रथयात्रा में शामिल होने को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

आकर्षक रजत रथ और धार्मिक प्रस्तुतियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौर ओर मुख्य कार्यकारी अधिकारी शंम्भू दयाल मीणा रहे। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी दिनेश मीणा,डिप्टी पूजा नागर, सीआई रामपाल यादव भी उपस्थित रहे। सूरजकुंड में हुआ पिच्छिका परिवर्तन समारोह रजत रथयात्रा के ब्रह्मानंद जी की नसिया, सूरजकुंड पहुंचने पर गुरुदेव संस्कार सागर जी महाराज का भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन का सौभाग्य चतुर्मास कमेटी को प्राप्त हुआ। वहीं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य चतुर्मास कमेटी के उपाध्यक्ष प्रदीप जैन को मिला। महाराज का पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य देवरहा से महाराज जी के ग्रस्त अवस्था से श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। इसके साथ ही गुरुदेव के मंगल प्रवचन हुए। संस्कार सागर जी महाराज की पुरानी पिच्छिका मनसुख जैन नयापुरा परिवार, महावीर जैन कंठाली परिवार को मिली।

खटीक समाज अधिकारी कर्मचारी समिति का स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न



केकडी (हुक्मनामा समाचार)। क्षत्रिय खटीक समाज अधिकारी कर्मचारी समिति केकड़ी की बैठक ओर स्नेह मिलन समारोह का आयोजन सुंदरम गार्डन केकड़ी में सम्पन्न हुआ। इस बैठक की अध्यक्षता प्रहलाद सामरिया ने की बैठक में आगामी समय में प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित करने, समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए चर्चा की गई । आगामी मीटिंग 06 दिसम्बर रविवार को सुंदरम गार्डन, राजपुरा रोड, केकड़ी में रखी जाएगी ।

इस बैठक में नेमीचंद सामरिया, रोडू मल सोलंकी, शंकर लाल सोलंकी समर्थ सामरिया ,सीताराम बडगूजर, सीताराम तंवर , ,बाबूलाल तंवर, रामस्वरूप चंदेल, बंसीलाल दायमा, राम प्रसाद चंदेल, सुरेंद्र सामरिया, राजेंद्र कुमार पवार, मुकेश चंदेल, प्रेमचंद नावरिया आदि समाज बंधु एकत्रित थे इस समिति का संचालन कालूराम सामरिया ने किया।

अजमेर डिस्कोम पेंशनर्स का दीपावली स्नेह मिलन कल होगा आयोजित

नसीराबाद (हुक्मनामा समाचार)। डिस्कॉम के अजमेर जिले के पेंशनर्स/फैमिली पेंशनर्स का दीपावली स्नेह मिलन समारोह मंगलवार दिनांक 17/11/2026 को प्रात: 11 बजे हाथीभाटा पावर हाउस अजमेर में रखा गया है।राजस्थान विद्युत सेवानिवृत कर्मचारी संघ(बी एम एस) के जिलाध्यक्ष अमरचन्द पथरिया के अनुसार स्नेह मिलन समारोह में सौहार्द पूर्ण आपसी मेल मिलाप कर 75 वर्ष से अधिक वरिष्ठ पेंशनर्स को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में हर वर्ष की भांति पेंशनर्स के जीवित प्रमाण पत्र भरकर सम्बंधित लेखाधिकारी को प्रस्तुत किये जायेंगे साथ ही पेंशनर्स की पेंशन,मेडिकल बिलों और अन्य समस्यायों के सम्बन्ध में चर्चा कर सुझाव एकत्रित करते हुए विचार विमर्श कर निराकरण हेतु अग्रिम रूप रेखा तैयार की जाएगी।

दीप जलाएं, नशा मिटाएं: अंधकार से उजाले की ओर कदम बढ़ाएं' - चम्पालाल महाराज

नसीराबाद (हुक्मनामा समाचार)। राजगढ मसाणिया भैरव धाम पर रविवारीय मेले में नशामुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत रैली का आयोजन किया गया। रैली को मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। चम्पालाल महाराज ने धाम पर उपस्थित श्रद्धालुओं को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं व नशामुक्ति का संदेश देते हुए प्रेरणादायक आह्वान किया कि दीपावली का असली प्रकाश तभी सार्थक होगा जब नशे का अंधकार मिटेगा और हर घर खुशहाल बनेगा।* दीपावली केवल दीप जलाने और रोशनी का पर्व नहीं बल्कि जीवन से अंधकार मिटाकर नई आशाओं का संचार करने का भी संदेश देती है। जिस प्रकार एक छोटा सा दीपक घने अंधकार को दूर कर प्रकाश फैलाता है, उसी प्रकार नशे जैसी सामाजिक बुराई को त्यागकर व्यक्ति अपने जीवन और परिवार में खुशियों का उजाला ला सकता है। हम सभी इस पवित्र त्यौहार पर संकल्प लें कि हम स्वयं भी नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करेंगे। नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है बल्कि परिवार की खुशियों, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

परिवार और क्षेत्र का बढ़ाया मान

डॉक्टर मोइनुद्दीन ने FMGE परीक्षा प्रथम प्रयास में की उत्तीर्ण

केचेरा (हुक्मनामा समाचार)। शहर के होनहार युवा डॉक्टर मोइनुद्दीन खोखर ने स्वस्थ्य (फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन) परीक्षा प्रथम प्रयास में शानदार सफलता हासिल कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मोइनुद्दीन ने वर्ष 2021-22 से कजाकिस्तान के अल्माटी शहर में रहकर मेडिकल की पढ़ाई की। कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर प्रयासों के बल पर उन्होंने पहले ही प्रयास में यह महत्वपूर्ण परीक्षा उत्तीर्ण की। मोइनुद्दीन के पिता मोहम्मद रफीक खोखर, पुत्र हाजी अब्दुल रशीद खोखर ने अपने तीनों बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। परिवार में शिक्षा के प्रति विशेष लगाव रहा है। उनके भाई अनारदीन खोखर ने विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर से बीएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई की है। मोइनुद्दीन की प्रारंभिक शिक्षा आदर्श पब्लिक स्कूल, कुचेरा में हुई। इसके बाद उन्होंने मास्टर मेहताब तेली के मार्गदर्शन में शिक्षा प्राप्त की। परिवार के एक अन्य सदस्य ने वर्ष 2025 में बीएससी एवं एमएससी बॉटनी की पढ़ाई पूरी की। मोइनुद्दीन की इस उपलब्धि पर परिवारजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



राजकीय नर्सिंग संस्थान, केकड़ी में एएनएम बैच का विदाई समारोह एवं न्यू एएनएम स्वागत समारोह सम्पन्न

केकड़ी (हुक्मनामा समाचार)। राजकीय मॉडल नर्सिंग संस्थान, केकड़ी में एएनएम चतुर्थ बैच के विद्यार्थियों द्वारा एएनएम तृतीय बैच के विदाई समारोह एवं एएनएम पंचम बैच के स्वागतार्थ फ्रेशर पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपाल लाल वर्मा रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में समाजसेवी रामराज शर्मा एवं पार्षद सीमा देवी शर्मा उपस्थित रहे। वहीं अति विशिष्ट अतिथियों के रूप में समाजसेवी प्रशांत भारद्वाज एवं युवा उद्यमी कालूराम कुमावत उपस्थित रहे। समारोह के दौरान छात्राओं ने नृत्य, गायन एवं अन्य मनोरंजक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। फ्रेशर पार्टी के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के पश्चात कुमारी पूनम शर्मा को मिस फ्रेशर चुना गया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण समाजसेवी रामराज शर्मा एवं पार्षद सीमा देवी शर्मा द्वारा विदाई लेने वाली एएनएम तृतीय बैच की छात्राओं एवं नवागंतुक एएनएम पंचम बैच



की सभी छात्राओं को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित करना रहा। इस पहल से छात्राओं का उत्साहवर्धन हुआ। संस्थान प्रभारी कन्हैया टेलर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्राओं को नर्सिंग पेशे की गरिमा, सेवा भावना, अनुशासन एवं व्यावसायिक नैतिकता को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। उन्होंने विदाई ले रही छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा नवप्रवेशित छात्राओं का संस्थान में स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन एएनएम विद्यार्थियों मनीषा बुनकर,अंजली साहू,अनीता जाट,दिशा कंवर और संजू सैनी ने किया।इस अवसर पर संस्थान प्रभारी कन्हैया टेलर, नर्सिंग ट्यूटर दामोदर प्रसाद, अनीता जांगिड़, समता गुर्जर, दुर्गेश चौहान, अंकित उपाध्याय, दिलीप साहू, मधु सींगला एवं संस्थान के पूर्व प्रभारी सुरेन्द्र बड़ौला सहित संस्थान के समस्त संकाय सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

निंबाहेड़ा में बालिका फुटबॉल मैत्री मुकाबलों का आयोजन, जूनियर व सीनियर वर्ग में मेजबान टीम ने मारी बाजी



निंबाहेड़ा (हुक्मनामा समाचार)। बालिका फुटबॉल को प्रोत्साहन देने एवं क्षेत्र की प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सॉकर फुटबॉल एकेडमी निंबाहेड़ा के तत्वावधान में जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ अध्यक्ष पूरण आंजना के मुख्य आतिथ्य में बालिका फुटबॉल मैत्री मुकाबलों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जूनियर एवं सीनियर वर्ग की बालिका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। मैदान पर पहुंचने पर बालिका खिलाड़ियों ने मुख्य अतिथि पूरण आंजना एवं अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद आंजना ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फुटबॉल को किक लगाकर मुकाबलों का शुभारंभ किया। उन्होंने बालिका खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को उनके सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। जूनियर वर्ग में सॉकर एकेडमी निंबाहेड़ा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। वहीं सीनियर वर्ग में रावतभाटा न्यूक्लियर फुटबॉल क्लब एवं सॉकर एकेडमी निंबाहेड़ा के बीच रोमांचक डे-नाइट मुकाबला हुआ, जिसमें निंबाहेड़ा की टीम ने एक गोल से जीत दर्ज की। आनंदी गवरीया ने शानदार गोल कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजन में रावतभाटा न्यूक्लियर फुटबॉल क्लब सचिव अमर सिंह, महिला कोच सरोज कंवर, टीम प्रभारी अनु करेल एवं संयोजक मुकेश करेल का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर जिला फुटबॉल संघ सचिव फैसल खान, संयुक्त सचिव इफ्तेखार अहमद, सॉकर एकेडमी संचालक मोहम्मद हुसैन, मोतीलाल अहीर, हाजी सलीम रंगरेज, अरुण कोहली, शोएब खान, विकास कुमार सहित अनेक खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

लाभ पंचमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब

गढ़ वाले बालाजी मंदिर में 1100 किलो अन्नकूट का लगा भोग, भोर तक गूंजे भजन

गंगापुर (हुक्मनामा समाचार)। पोटलां कस्बे में स्थित प्रसिद्ध गढ़ वाले बालाजी मंदिर परिसर में लाभ पंचमी के पावन अवसर पर भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन बड़े ही श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। इस पावन पर्व पर संपूर्ण मंदिर प्रांगण भक्तिमय माहौल से सराबोर नजर आया और सुबह से ही बालाजी महाराज के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। महोत्सव के तहत भगवान को भोग लगाने के लिए व्यापक स्तर पर महाप्रसाद तैयार किया गया, जिसमें सेवाभावी युवाओं और ग्रामीणों ने पूरे समर्पण भाव से अपनी सेवाएं दीं। अन्नकूट महाप्रसाद के निर्माण के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं, जिसके तहत लगभग 800 किलोग्राम विभिन्न प्रकार की ताजा सब्जियों को मिलाकर स्वादिष्ट मिक्स सब्जी तैयार की गई। इसके साथ ही 300 किलोग्राम चावल, चौवला, शुद्ध देशी घी और चीनी के अद्भुत मिश्रण से पारंपरिक मिष्ठान अन्नकूट तैयार किया गया। इस प्रकार कुल 1100 किलोग्राम महाप्रसाद का निर्माण किया गया। भगवान बालाजी महाराज के समक्ष भव्य अन्नकूट का भोग अर्पित किया गया और इसके पश्चात विधि-विधान से महाआरती की गई। महाआरती के समय संपूर्ण क्षेत्र बालाजी महाराज के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महाआरती संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं में महाप्रसाद का वितरण शुरू हुआ। मंदिर प्रांगण में अनुशासन और आस्था की अद्भुत झलक देखने को मिली, जहां सभी भक्तजनों ने पत्तलों में पंक्तिबद्ध (पंगत में) बैठकर अत्यंत भाव से महाप्रसाद ग्रहण किया। महाप्रसाद ग्रहण करने के लिए आसपास के गांवों से भी भारी संख्या में लोग पहुंचे। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ इस अवसर पर एक विशाल भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। भजन संध्या में स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सुमोटिव भजनों की प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। स्थानीय गायकों की सुरीली आवाज और भक्ति गीतों



की लय पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते नजर आए। भजनों की यह अविरल धारा पूरी रात बहती रही और भोर की पहली किरण तक भक्ति का यह क्रम अनवरत जारी रहा। संपूर्ण आयोजन के दौरान गढ़ वाले बालाजी की मनमोहक झांकी सजाई गई, जो सभी के आकर्षण का केंद्र बनी रही। आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों के सहयोग से यह अन्नकूट महोत्सव अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

किले की पहाड़ी के लाल बेर खींच रहे राहगीरों का ध्यान, स्वाद चखने के लिए थम रहे वाहनों के पहिए

इन्द्रगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। इन्द्रगढ़ किले के पास स्थित पहाड़ी इन दिनों अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के साथ राहगीरों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। पहाड़ी पर झाड़ियों में लगे लाल-लाल बेर इन दिनों हर आने-जाने वाले का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। इस बार झाड़ियों में बेर की अच्छी पैदावार होने से पहाड़ी का नजारा भी कुछ अलग ही दिखाई दे रहा है। सड़क के बिल्कुल समीप पहाड़ी की झाड़ियों में लटकते लाल-लाल बेर देखकर राह चलते लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। ऐसे में कई राहगीर और पर्यटक खुद को रोक नहीं पाते और अपने वाहनों के पहिए थामकर बेर का स्वाद चखने पहुंच जाते हैं। कोई झाड़ियों से बेर तोड़कर खाता नजर आता है तो कोई इस प्राकृतिक नजारे का आनंद लेता है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रदीप लोढा द्वारा एफ बी 3, करतारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया रोड नंबर 4, जयपुर से मुद्रित एवं पीली कोठी, जयपुर गोल्डन, जयपुर रोड, अजमेर से प्रकाशित। फोन 2623396, प्रधान संपादक - प्रदीप लोढा, प्रबंध संपादक - वैभव लोढ़ा, समाचार संपादक (अजमेर) राजेंद्र गुप्ता जयपुर कार्यालय- जी 1, एफ ब्लॉक, गणपति एनक्लेव, अजमेर रोड जयपुर। जोधपुर कार्यालय -902, तीसरी ई रोड, सरदारपुरा, जोधपुर। फोन 2433621, ई मेल hukmnama.ajmer@gmail.com

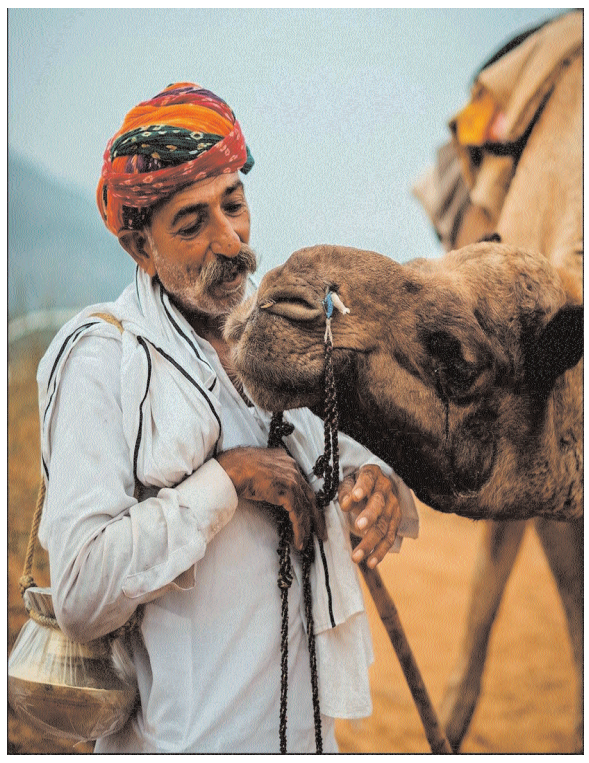
पुष्कर मेला-2026 परंपरा, संस्कृति और पर्यटन के नए अनुभवों का होगा संगम

17 से 24 नवंबर तक आयोजित होगा मेला, विदेशी पर्यटक राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों में लेंगे भाग

शिल्पग्राम में फूड एंड क्राफ्ट फेस्टिवल, ऊंट एवं घोड़ा नृत्य और लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहेंगी खास आकर्षण

वर्ष 2025 में 1.32 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों ने किया पुष्कर का रुख

पुष्कर (हुक्मनामा समाचार)। धार्मिक आस्था, राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन के जीवंत रंगों से सराबोर पुष्कर मेला-2026 आगामी 17 से 24 नवंबर तक आयोजित होगा। इस बार मेला परंपरागत धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ पर्यटन के नए और सहभागी अनुभवों का भी साक्षी बनेगा। विदेशी पर्यटक जहां स्थानीय प्रतिभागियों के साथ राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों में भाग लेते नजर आएंगे, वहीं शिल्पग्राम में आयोजित होने वाला फूड एंड क्राफ्ट फेस्टिवल प्रदेश के हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजनों और स्थानीय कला का आकर्षण प्रस्तुत करेगा। पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अजय शर्मा के अनुसार, इस वर्ष मेले में ग्रामीण खेल प्रतियोगिताएं, ऊंट एवं घोड़ा नृत्य, लोक संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और शिल्पग्राम की गतिविधियां विशेष आकर्षण रहेंगी। आयोजन का उद्देश्य पुष्कर की पारंपरिक पहचान को कायम रखते हुए देशी-विदेशी पर्यटकों को राजस्थान की संस्कृति, खानपान और ग्रामीण जीवन से जुड़ने के अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। **पर्यटकों की बढ़ती संख्या से पुष्कर की पर्यटन महत्ता को मिल रही पहचान:**- पुष्कर धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। उपलब्ध पर्यटन आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में पुष्कर में 59,951 विदेशी और 76.42 लाख घरेलू पर्यटकों का आगमन हुआ। वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 74,726 विदेशी और 1.24 करोड़ घरेलू पर्यटकों तक पहुंच गई। वर्ष 2025 में 68,327 विदेशी पर्यटकों के साथ 1.32 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों ने पुष्कर का भ्रमण किया। वहीं, वर्ष 2026 में अगस्त तक 31,459 विदेशी और 70.88 लाख से अधिक घरेलू पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया है। **ग्रामीण खेलों में विदेशी पर्यटकों की भागीदारी होगी खास:**- पुष्कर मेले में इस बार राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन अनुभव से जोड़ने की पहल की गई है। लगड़ी टांग, सतोलिया और गिल्ली-डंडा जैसी प्रतियोगिताओं में स्थानीय प्रतिभागियों के साथ विदेशी पर्यटकों की भागीदारी प्रस्तावित है। फुटबॉल मुकाबले में भी स्थानीय प्रतिभागियों और विदेशी पर्यटकों के बीच प्रतिस्पर्धा होगी। इसके अतिरिक्त रस्साकशी, कबड्डी, वॉलीबॉल और अंतर पंचायत समिति ग्रामीण खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। ऊंट दौड़, ऊंट नृत्य और घोड़ा नृत्य के साथ साफा बांधने, मूंछ प्रतियोगिता, महिलाओं की मटका दौड़ और म्यूजिकल चेयर जैसे आयोजन मेले के उत्सवी माहौल को और जीवंत बनाएंगे।



शिल्पग्राम में सजेगा खानपान और हस्तशिल्प का रंग: संयुक्त निदेशक व पुष्कर मेले के नोडल अधिकारी दलीप सिंह राठौड़ के अनुसार शिल्पग्राम में 20 नवंबर को फूड एंड क्राफ्ट फेस्टिवल का उद्घाटन होगा। 21 से 23 नवंबर तक चलने वाले इस आयोजन में राजस्थान के पारंपरिक खानपान और हस्तशिल्प को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। स्थानीय शिल्पकारों और कारीगरों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए मंच मिलेगा। यह आयोजन पर्यटकों को प्रदेश की पारंपरिक पाक कला और शिल्प विरासत से रूबरू कराने के साथ स्थानीय कलाकारों एवं उद्यमियों के लिए भी अवसर उपलब्ध कराएगा।

आस्था, लोक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीवंत होंगे घाट:- पुष्कर मेले की आध्यात्मिक पहचान को भी विशेष महत्व दिया जाएगा। पुष्कर सरोवर के घाटों पर महाआरती, दीपदान और अन्य धार्मिक गतिविधियां आयोजित होंगी। प्रतिदिन होने वाली महाआरती श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण रहेगी। वहीं, राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों के लोक कलाकार संगीत और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता के रंग बिखेरेंगे। 17 नवंबर को उद्घाटन दिवस से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू होगा। 24 नवंबर को मेगा सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण और समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। अजय शर्मा के अनुसार, पुष्कर मेले की विशिष्टता धार्मिक आस्था, लोक परंपराओं और ग्रामीण जीवन के सहज स्वरूप में निहित है। बदलते समय के अनुरूप नए पर्यटन अनुभवों को शामिल करने से इसकी अंतरराष्ट्रीय पहचान और व्यापक होगी। पुष्कर मेला राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के साथ स्थानीय कला, शिल्प, खानपान और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

चंडीगढ़ में होने वाले 31वें अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियां तेज, अजमेर संभाग की टीम ने किया क्षेत्र का दौरा



अजमेर (हुक्मनामा समाचार)। महावीर इंटरनेशनल के चंडीगढ़ में19एवं 20 दिसम्बर को आयोजित होने वाले 31वें अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने हेतु प्रेरणा देने के लिए अजमेर संभाग की एक टीम ने अजमेर संभाग का दौरा किया। इस दौरान टीम ने कुचामन, कूकनवाली, बोरावड़, मकराना एवं किशनगढ़ क्षेत्र का दौरा किया और वहां के सभी सदस्यों से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल में वीर पदमचंद जैन, वीर अशोक कुमार गोयल, वीर नरेंद्र कुमार रांका एवं वीर बाबूलाल जैन उपस्थित थे। महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 के प्रचार-प्रसार उपनिदेशक कमल गंगवाल ने बताया कि सभी सदस्यों को चंडीगढ़ अधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने हेतु प्रेरणा प्रदान की गई और अधिवेशन की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिवेशन को लेकर सदस्यों में भारी उत्साह है और अजमेर संभाग से बड़ी संख्या में सदस्य चंडीगढ़ अधिवेशन में भाग लेंगे।

बाल भैरव मन्दिर में व्यापारिक महासंघ द्वारा अन्नकूट उत्सव में किया पूजन महाआरती



अजमेर (हुक्मनामा समाचार)। बाल भैरव मन्दिर महावीर सर्किल में आयोजित अन्नकूट महोत्सव में अजमेर व्यापारिक महासंघ के प्रमुख पदाधिकारियो ने पूजन आरती करके खुशहाली और अच्छे व्यापार की प्राथ्रना की। मन्दिर के सेवादारी पण्डित दिनेश महाराज ने अजमेर व्यापारिक महासंघ के संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी सुरेश तम्बोली, पुखराज जंगम मानमल एवं अन्य व्यापारिक महासंघ के पदाधिकारियो से भी पूजन सम्पन्न करवाया।बाल भैरव मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह निर्वाण ने बताया कि महावीर सर्किल व्यापारिक महासंघ और अजमेर व्यापारिक महासंघ के पदाधिकारी भी अन्नकूट महोत्सव में सम्मलित होकर पूजन किया। पण्डित दिनेश महाराज ने बताया कि अन्नकूट हजारो श्रद्वालुओ ने लाभ लिया।

रामगंज व्यापारियो द्वारा अजमेर व्यापारिक महासंघ के संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी सम्मानित



अजमेर (हुक्मनामा समाचार)। रामगंज बाजार के व्यापारियो के द्वारा अध्यक्ष जरनेल सिंह गुलेर दम्पति के कर कमलो से अजमेर व्यापारिक महासंघ के संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी का श्रेष्ठ समाज सेवाओ के लिए और व्यापारियो के हितो के लिए गैर राजनीतिक और सर्वधर्म प्रतिनिधियो का सबसे बडे व्यापारिक महासंघ के माध्यम से श्रेष्ठ सेवाऐ प्रदान करने के उपलक्ष में शॉल ओडाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निर्दलीय पार्षद गायत्री अशोक सोनी वार्ड 28,घन्ना सिंह चैहान, सरदार दिलीप सिंह,राम गंज गुरूद्वारे के प्रधान बलबीर सिंह हुंजन, सरदार हरजीत सिंह,सरदार जरनेल सिंह गुलेर एवं अनेक अन्य व्यापारी उपस्थित थे।

अजमेर व्यापारिक महासंघ के व्यापारियो ने रामगंज बाजार में सदभावना, भाईचारे व मानवता की प्रार्थना

अजमेर (हुक्मनामा समाचार)। गुरूद्वारा गुरू रामदास सत्संग सभा, रामगंज के तत्वावधान में कार्तिक मास में गुरू नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष में गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी रामगंज के तत्वावधान में रविवार को प्रभात फेरी के अवसर पर अमृतवेले ब्यावर रोड रामगंज बाजार के अध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक सरदार जरनेल सिंह गुलेर के नेतृत्व में उनके कार्यालय में आयोजित प्रभात फेरी के कार्यक्रम में अजमेर व्यापारिक महासंघ के संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी और रामगंज बाजार के सरदार दिलीप सिंह के कर कमलो द्वारा सिख निशान को अरदास करके सदभावना, भाईचारा, अच्छा व्यापार और मानवता कायम रहने की अरदास व प्रार्थना की गई। सरदार जरनेल सिंह ने बताया कि समाज सेवी घन्ना सिंह चैहान,सुभाष नगर व्यापारिक ऐसोसिएशन के सरदार हरजीत सिंह सहित अनेक अन्य व्यापारियों, महिलाओ एवं अन्य ने सैकडो की संख्या में आम संगत के साथ मिलकर प्रभात फेरी आई है गुरू धर चलो जी, वाहे गुरू वाहे गुरू, सतनाम सतनाम जी, उंच अपार बेअन्त स्वामी कौन जाने गुण तेरे सतगुरू कौन जाने गुण तेरे, वाहेगुरू वाहेगुरू बोल कदे न डोल, दर्शन करलो जी प्रभात फेरी आई है,गुरू देव के जन्म दिन की बधाई हो बधाई, सिमरो गुरू हरराय साहिब, गुरू होय सहाय, दर्शन कर लो जी प्रभात फेरी आई है, हमधर साजन आये, मेरे सतगुरू बाबा नानक आये, एक हमारा स्वामी राखा,तुमरे काज संवारे गुरू, तुमरे काज संवारे सतगुरू सहित अनेक अन्य सुनाये। संयोजक सरदार जरनेल सिंह गुलेर ने बताया कि रामगंज गुरूद्वार प्रबंधक कमेटी के प्रधान बलबीरसिंह हुंजन, सचिव जेएस सोखी, गुरूद्वारे के रागी सरदार सरेन्दर सिंह, अजमेर व्यापारिक महासंघ के महासचिव रमेश लालवानी, अशोक सोनी, घन्न सिंह चैहान,पार्षद गायत्री सोनी, रामगंज के अध्यक्ष सरदार जरनेल सिंह सहित अनेक अन्य बाजारो के सर्वधर्म प्रतिनिधियों ने भी अच्छे व्यापार, भाईचारे, कौमी एकता, सदभावना और विश्व शान्ति की अरदास की। प्रभात फेरी प्रात: काल से रामगंज स्थित पंजाब नेशनल बैंक के सामने सरदार जरनेल सिंह के कार्यालय व निवास परिसर में कीर्तन भजन किया गया।

अजमेर में ओपन कराटे चैंपियनशिप का भव्य आयोजन 9 राज्यों के 350 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम



अजमेर (हुक्मनामा समाचार)। खेल एवं मार्शल आर्ट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार, 15 नवंबर को अजमेर के पटेल इंडोर स्टेडियम में ओपन कराटे चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देशभर के 9 राज्यों से आए लगभग 350 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न आयु एवं भार वर्गों में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन वर्ल्ड फुनाकोशी शोटोकान कराटे ऑर्गेनाइजेशन की ओर से किया गया। यह संगठन वर्ल्ड रेंशुकान कराटेडो फेडरेशन का सदस्य है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने कराटे की विभिन्न विधाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी तकनीक, फुर्ती और आत्मविश्वास का परिचय दिया। कार्यक्रम में टूर्नामेंट प्रेसिडेंट हंशी हसन मोहम्मद इस्माइल राजस्थान के सचिव शियान सुनील जेदिया, राहुल जेदिया, राज जेदिया, फैजान, रेहान, काशिफ, मनीष और खुर्शीदा चिता सहित अन्य खेलप्रेमी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि चैंपियनशिप का मुख्य उद्देश्य युवाओं को कराटे के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उनमें अनुशासन, आत्मरक्षा, खेल भावना और आत्मविश्वास की भावना विकसित करना है। साथ ही खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना भी प्रतियोगिता का प्रमुख उद्देश्य है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से स्टेडियम में उत्साह का माहौल रहा। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से युवाओं को खेलों से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी और अजमेर मार्शल आर्ट के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करेगा।

स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी समारोह में विधानसभा अध्यक्ष ने किया आह्वान

राष्ट्र की मजबूती के लिए घर वापसी अभियान जारी रखें : देवनानी

अजमेर (हुक्मनामा समाचार)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने आर्य समाज से राष्ट्र और समाज की मजबूती के लिए स्वामी श्रद्धानंद द्वारा शुरू किए गए घर वापसी अभियान को निरंतर जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने लव-कुश उद्यान से सुभाष उद्यान तक प्रस्तावित महर्षि दयानंद मार्ग का लोकार्पण जल्द कराने की घोषणा भी की। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रविवार को अजमेर में आयोजित स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद केवल स्वाधीनता सैनानी अथवा समाज सुधारक ही नहीं थे, बल्कि वे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपने जीवन में राष्ट्र, समाज और धर्म के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। स्वामी श्रद्धानंद ने हिंदुओं के धर्म परिवर्तन से उत्पन्न खतरे को समय रहते समझा और घर वापसी अभियान प्रारंभ किया। इस अभियान के माध्यम से उन्होंने बड़ी संख्या में ?से लोगों की मूल सनातन धर्म में वापसी कराई, जिन्होंने धर्म परिवर्तन कर लिया था। देवनानी ने कहा कि उस समय स्वामी श्रद्धानंद ने जिस चुनौती को पहचाना था, वह आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। इसलिए आर्य समाज को उनके विचारों और कार्यों को आगे बढ़ाते हुए घर वापसी अभियान जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र और समाज की मजबूती के लिए अपने सांस्कृतिक एवं धार्मिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि हमारा देश आर्यावर्त है। हमारे ग्रंथों में भी हमें आर्य और आर्यपुत्र कहकर संबोधित किया गया है। महर्षि दयानंद सरस्वती के शिष्यों का देश को स्वतंत्रता दिलाने में बहुत बड़ा योगदान रहा है। स्वामी श्रद्धानंद भी महर्षि दयानंद के प्रमुख शिष्यों में से एक थे। उन्होंने महर्षि दयानंद के विचारों से प्रेरणा लेकर समाज सुधार और राष्ट्रहित के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विधानसभा अध्यक्ष ने अजमेर में महर्षि दयानंद सरस्वती के नाम से प्रस्तावित मार्ग के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लव-कुश उद्यान से सुभाष उद्यान तक बनने वाले महर्षि दयानंद मार्ग का लोकार्पण जल्द कराया जाएगा। इसके साथ ही जयपुर रोड पर निर्माणाधीन सिंह द्वार पर चार महापुरुषों के चित्र लगवाए जाएंगे, जिनमें महर्षि दयानंद सरस्वती का चित्र भी शामिल होगा। समारोह के दौरान वैदिक विद्वानों और आर्य समाज के कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वामी ओमानंद सरस्वती और आचार्य सत्यजित ने भी अपने विचार व्यक्त किए। परोपकारिणी सभा के प्रधान ओम मुनि एवं मंत्री कन्हैयालाल आर्य ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को दुपट्टा पहनाकर तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन परोपकारिणी सभा के न्यासी डॉ. वेदप्रकाश विद्यार्थी ने किया। सभा के संयुक्त मंत्री डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि सात दिवसीय अथर्ववेद पारायण यज्ञ की रविवार को पूर्णाहुति हुई। यज्ञ के समापन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कीं। तीन दिवसीय स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी समारोह के अंतिम दिन तीन सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में पूर्व कुलपति डॉ. सुरेंद्र कुमार, कृतेश पटेल, निर्भय आर्य और जीवर्धन शास्त्री सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। समारोह के दौरान प्रख्यात भजनोपदेशक सहदेव बेधड़क एवं योगेश दत्त आर्य ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं। उनके भजनों से उपस्थित श्रोता ऋषि भक्ति के भाव में डूब गए। सात दिवसीय अथर्ववेद पारायण यज्ञ की पूर्णाहुति और तीन दिवसीय शताब्दी समारोह के समापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।



विधानसभा अध्यक्ष का दीपावली स्नेह मिलन समारोह

अब अजमेर घूमने में लगेंगे दो दिन, तीन झीलें, लैपर्ड सफारी, तारागढ़ और नए टूरिस्ट पॉइंट पर्यटकों को रोकेंगे : देवनानी

अजमेर (हुक्मनामा समाचार)। अजमेर अब विकास और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। आने वाले समय में पर्यटकों को अजमेर घूमने के लिए कम से कम दो दिन का समय निकालना होगा। शहर की तीन झीलें, लैपर्ड सफारी, ?तिहासिक तारागढ़ और विकसित किए जा रहे नए पर्यटन स्थल पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेंगे। शिक्षा, पर्यटन, रोजगार, आधारभूत सुविधाओं और आईटी सहित प्रत्येक क्षेत्र में हो रहे विकास कार्य अजमेर को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। यह बात विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि अजमेर को विकास की नई पहचान दिलाने के लिए सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, खेल और पर्यटन से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं। शहर में 40 से अधिक विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें से अधिकांश कार्य इसी वर्ष पूरे होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अजमेर के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी जाएगी और इस परिवर्तन में शहर के प्रत्येक नागरिक को भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि अजमेर में लगभग 177 करोड़ रुपए की लागत से सड़क विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 107 करोड़ रुपए के कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 42 करोड़ रुपए के कार्य प्रगतिरत हैं। शेष कार्य भी जल्द शुरू किए जाएंगे। रिंग रोड की दिशा में 32 करोड़ रुपये की लागत से चार प्रमुख सड़कों का विकास एवं विस्तार किया जा रहा है। जिससे यातायात व्यवस्था सुगम होगी और आवागमन में सुविधा मिलेगी। देवनानी ने कहा कि शहर की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए अमृत योजना के तहत करीब 270 करोड़ रुपए की योजना के टेंडर हो चुके हैं तथा कार्य प्रगति पर है। वहीं जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए लगभग 78 करोड़ रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 28 करोड़ रुपए के कार्य पूरे हो चुके हैं तथा शेष कार्य प्रगतिरत हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए शहर में 240 करोड़ रुपए की लागत से सात मंजिला अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही कोटड़ा में लगभग 30 करोड़ रुपए की लागत से सैटेलाइट अस्पताल का निर्माण भी जल्द पूरा होगा। इन परियोजनाओं से अजमेर में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार होगा तथा मरीजों को बेहतर उपचार की सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल करते हुए हाथीखेड़ा में 20 करोड़ रुपये की लागत से बालिका सैनिक स्कूल का निर्माण किया जा रहा है। अब अजमेर भी देश के उन चुनिंदा शहरों के नक्शे में शामिल होगा, जहां बालिका सैनिक स्कूल है। इस स्कूल में पहले साल में 200 बालिकाओं को प्रवेश मिलेगा। स्कूल में बालिकाओं को विश्व स्तरीय आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि माकड़वाली क्षेत्र में 12 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीपर्पज स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। लगभग 80 हजार दर्शकों की क्षमता वाला यह स्टेडियम खेल प्रतियोगिताओं के साथ सामाजिक, धार्मिक एवं अन्य बड़े आयोजनों के लिए उपयोगी होगा। वहीं, 28 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर में 1400 से अधिक व्यक्तियों की क्षमता वाला सभागार, कैफेटेरिया, रेस्टोरेंट एवं आधुनिक कॉन्फ्रेंस स्पेस विकसित किए जाएंगे। पंचशील क्षेत्र में 42 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक साइंस पार्क बनाया जा रहा है। इसमें ऑडिटोरियम, प्लेनेटेरियम, एग्जीबिशन हॉल एवं सेमिनार कक्ष जैसी सुविधाएं होंगी। देवनानी ने बताया कि ?तिहासिक तारागढ़ को संरक्षित करने और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। यहां भव्य म्यूजियम, चौहान सम्राटों की आदमकद प्रतिमाएं, गार्डन, पार्किंग, कैफे सहित विभिन्न पर्यटन सुविधाएं विकसित करने की योजना है। इससे तारागढ़ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिल सकेगी। इसी प्रकार प्रकृति प्रेमियों के लिए लैपर्ड सफारी भी बेहतरीन टूरिस्ट पॉइंट के रूप में विकसित होगी एवं यहाँ तेंदुए, हिरण तथा अन्य कई जंगली जानवर आसानी से दिखेंगे। घाटी क्षेत्र में सनसेट प्वाइंट, सेल्फी प्वाइंट एवं अन्य पर्यटन स्थलों को नेचुरल लुक के साथ विकसित किए जा रहे हैं। सूरजपोल स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान के अस्तबल क्षेत्र को भी व्यू पॉइंट के के साथ पर्यटकों की सुविधा के लिए विभिन्न स्थलों पर बैठने एवं अल्पाहार की व्यवस्था विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वरुण सागर के सौंदर्यीकरण की योजना के तहत यहां भगवान वरुण की 17 फीट ऊंची एवं लगभग तीन टन वजनी प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसका लोकार्पण अगले माह प्रस्तावित है। वरुण सागर के विकास को अजमेर को झीलों की नगरी के रूप में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। आनासागर, वरूण सागर और चौरसियावास झीलों का विकास पर्यटन को नए पंख देगा। इसी प्रकार 8.50 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर रोड पर भव्य प्रवेश द्वार एवं सौंदर्यीकरण कार्य किया जा रहा है। प्रवेश द्वार पर तीर्थराज पुष्कर, भगवान झूलेलाल, सम्राट अजयराज, सम्राट पृथ्वीराज एवं स्वामी दयानंद की प्रतिमाएं अंकित होंगी।

यह अजमेर की ?तिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बनेगा। देवनानी ने कहा कि अजमेर में हो रहे विकास कार्य आने वाले समय में शहर की तस्वीर और तकदीर बदलेंगे। पर्यटन, आधारभूत सुविधाओं और रोजगार के नए अवसरों के माध्यम से अजमेर को एक विकसित एवं आकर्षक शहर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी से इस विकास यात्रा में सकारात्मक सहयोग एवं सहभागिता निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महापौर अनामिका शर्मा, सीताराम शर्मा,अनीश मोयल, विक्रम सिंह और रचित कच्छावा भी उपस्थित रहे।

श्याम दरबार में द्वितीय दिवस कार्यक्रम में हवन का आयोजन कर मंत्रोचारण से प्रदान की आहूतियां

अजमेर (हुक्मनामा समाचार)। श्याम दरबार मीन महादेव मन्दिर परिसर मीणा कॉलोनी साई बाबा मन्दिर द्वार के सामने श्याम दरबार मन्दिर के वार्षिकोत्सव स्थापना दिवस कार्यक्रम के द्वितीय दिवस रविवार को हवन यज्ञ करके मंत्रोचारण के साथ सामग्री की आहूति प्रदान की गई।मन्दिर के पडित हिमांशु दुबे और संयोजक उमेश मीणा ने बताया कि रविवार को श्रद्वालुओ ने खाटू श्याम के विशेष ऋंगार किये गये उसके दर्शनो का लाभ लिया और बाबा श्याम के नारे लगाकर हारे के सहारे की, जय, खाटू नरेश की जय सहित अन्य नारे लगाकर मन्दिर परिसर को श्याम मय बना दिया। मन्दिर में समाज सेवरी घन्न सिंह चैहान और अजमेर व्यापारिक महासंघ के संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी ने भी दर्शन करके अच्छे व्यापार और खुशहाली व शान्ति की प्राथ्रना की।पण्डित हिमांशु दुबे व उमेश मीणा ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम में सोमवार 16 नवम्बर तक अनेक कार्यक्रमो का आयोजन किये जा रहे है।उमेश मीना ने अजमेर व्यापारिक महासंघ के संस्थापक व महासचिव रमेश लालवानी को जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम में विशाल भजन संध्या का आयोजन भी रात्रि में किया जायेगा। कार्यक्रम में अजमेर व्यापारिक महासंघ के पदाधिकारियो एवं सदस्यो को भी आमंत्रित किया गया है। मन्दिर कमेटी के पदाधिकारियो ने बताया है कि खाटू श्याम की भजन संध्या में विख्यात गायक कलाकार बाडमेर के छोटू सिंह,दिल्ली की सोनी सिस्टर्स बहने, अजमेर के शुभम गायक, और नेहा टेलर को आमंत्रित किया गया है उनके द्वारा अपनी अपनी प्रस्तुति दी जायेगी।

सम्पादकीय...

टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं



विश्व स्वास्थ्य संगठन की ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2026 में भारत में टीबी के खिलाफ चल रही लड़ाई में महत्वपूर्ण प्रगति सामने आई है। 2015 की तुलना में भारत में टीबी से होने वाली मौतों में 38 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं टीबी के मरीजों के इलाज में सफलता की दर बढ़कर 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा बताता है कि भारत में टीबी की रोकथाम और उपचार के क्षेत्र में लगातार बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2015 में प्रति एक लाख आबादी पर टीबी से 28 लोगों की मौत होती थी, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 18 रह गई। यह बदलाव स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और समय पर उपचार की दिशा में किए गए प्रयासों को दर्शाता है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है। हालांकि यह शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इसके प्रमुख लक्षणों में लंबे समय तक खांसी रहना, बुखार आना, रात में पसीना आना, भूख कम लगना और वजन में कमी होना शामिल हैं। इन लक्षणों को सामान्य मौसमी बीमारी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को लंबे समय तक खांसी बनी रहती है तो उसे चिकित्सक से सलाह लेकर जांच करवानी चाहिए। समय पर बीमारी की पहचान होने से उपचार आसान हो जाता है और संक्रमण को फैलने से रोकने में भी मदद मिलती है। पहले टीबी के मरीजों के सामने सबसे बड़ी समस्या बीमारी की पहचान और उपचार की उपलब्धता थी। ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं की कमी और जागरूकता के अभाव में कई मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते थे। आर्थिक कमजोरी के कारण भी उपचार बीच में छूट जाता था। लेकिन अब देश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है। सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी की जांच और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। भारत सरकार ने टीबी उन्मूलन के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। निक्षय पोषण योजना के माध्यम से टीबी मरीजों को पौष्टिक भोजन के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। निक्षय मित्र पहल के माध्यम से समाज के लोगों, संस्थाओं और संगठनों को टीबी मरीजों की मदद के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

वैभव लोढ़ा...

इतिहास में आज

1908 - जनरल मोटर्स निगम की स्थापना की गई।
1995 - भारतीय मूल के वासुदेव पाण्डे त्रिनिदाद एवं टौबेगो के प्रधानमंत्री बने।
2000 - रूस द्वारा अंतरिक्ष केन्द्र मीर को डुबाने का फैसला।
2006 - पाकिस्तान ने मध्यम दूरी के गौरी-V मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

-धर्म चंद मेहता

क्रॉस फायर

❑राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को घेरा, कहा जब 14 करोड़ वोटर अवैध तो 2024 का चुनाव वैध कैसे।

◆अपने ही जाल में आयोग फस गया।

❑राहुल गांधी बोले चुनाव से पहले कडे मुकाबला और गठबंधन होते थे पर अब लोकतंत्र खत्म कर दिया।

◆समय के हिसाब से खुद को भी बदलो।

❑भारत ने पाकिस्तान को हराकर नवमी बार जीता अंडर-19 एशिया कप।

◆इसमें ही खुश हो लो।

❑अमेरिका में 9 /11 के हमले के बाद दूसरी बार एयर इमरजेंसी।

◆अब तो वैसे भी इमरजेंसी समझ लो।

❑राहुल के बाद सैम पित्रोदा कोई बोले मेरा फोन और लैपटॉप टेप हुआ।

◆इसमें कौन सी नई बात।

❑सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर बोले गोधरा कांड दुर्घटना नहीं साजिश थी।

◆पर यह बताओ साजिश के पीछे दिमाग किसका था।

❑शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी के लिए भारत ने रखी दो शर्त।

◆भारत के भेजने में ही भलाई है।

❑गहलोत ने खोली बजट फाइल्स पहला एपिसोड में जल जीवन मिशन पर सरकार को घेरा।

◆दोनों में से एक की पोल तो खुलेगी।

.....अंजू लोढ़ा

आज का राशिफल

सोमवार 16 नवम्बर, 2026

मेष राशि: आज के दिन तनाव व चिंता की कुछ घटनाएं हो सकती हैं लेकिन मन शांत रखकर समस्याओं से पार पा लेंगे। प्रोफेशन में परिवर्तन चाहते हैं। पढ़ाई में रुचि की कमी रहेगी।

वृषभ राशि: अपने व्यवसाय को लेकर यात्रा होगी। प्रोजेक्ट के लिए नए साझेदार मिलेंगे। घर के किसी सदस्य की चिंता रहेगी। अस्वस्थता रहेगी। बकाया वसूली होगी।

मिथुन राशि: रोज़ नई योजना बनती है पर चालू एक नहीं होती। परिवार में पूछ-परख कम होगी। पिता के साथ आज कल अच्छी घुल मिल रही है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। भय, चिंता तथा तनाव का माहौल खत्म होगा। मेहनत अधिक होगी।

कर्क राशि: आज का दिन महत्वपूर्ण है। नए लोगों से जरा संभल कर मित्रता करें। किसी देव स्थान का भ्रमण संभव है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। किसी भी विवाद से बचें।

सिंह राशि: दिन की शुरुआत में आलस हावी रहेगा। संतों का सान्निध्य मिलेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से बचें। अतिविश्वास हानिकर सिद्ध होगा।

कन्या राशि: किसी भी कीमत पर झुकना आप को पसंद नहीं है। वैवाहिक यात्रा सफल रहेगी। गृहस्थ सुख मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कार्य में बाधा संभव है। मकान बदलने से लाभ होगा।

तुला राशि: आज आप जल्दबाजी में कार्यों को अंजाम देने से बचें। अपने करियर को लेकर आप ईमानदार नहीं हैं, संभल जाएं। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं जो लाभ देंगे। कार्यस्थल में उन्नति होगी।

वृश्चिक राशि: समय के परिवर्तन से राहत महसूस करेंगे। विद्यार्थी वर्ग सफल रहेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। अनाज में निवेश शुभ रहेगा। सोच विचार कर व्यापार करें।

धनु राशि: आपके हौसले से ही आप प्रगति करेंगे। नए वस्त्र की प्राप्ति संभव है। माता-पिता अस्वस्थ रह सकते हैं, उनका ध्यान रखें। आपसी विवाद न करें। शुभ समाचार मिल सकता है। नौकरी में प्रयास अधिक करने पड़ेंगे।

मकर राशि: कार्यस्थल पर अधिकारियों से विवाद होंगे। आपकी गलती के कारण बने बनाय काम बिग? सकते हैं। बातचीत से काम बन जाएंगे। कार्यसिद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुम्भ राशि: अपने यदि कोई राय दे रहे हैं तो उनकी बात भी मान लेनी चाहिए। पुराने मित्र-संबंधी से मुलाकात आज संभव है। मित्रों से शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। नौकरी-व्यापार में तरक्की संभव है।

मीन राशि: आज किसी से भी विवाद न करें। अपने अधिकारों का गलत प्रयोग न करें। यात्रा लाभकारी रहेगी। आपकी मेहनत से उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। निवेश आदि कार्य में सफल होंगे। कुबुद्धि से हानि संभव है।



राजेन्द्र गुप्ता
ज्योतिषी और हस्तरेखाविद, मो. 9611312076

नोट- अगर आप अपना भविष्य जानना चाहते हैं तो दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करके या इसी व्हाट्स एप नम्बर पर मैसेज भेजकर पहले शर्तें जान लेवें, इसी के बाद अपनी बर्थ डिटेल और हैंडप्रिंट्स भेजें।

चिंतन - धनपिशाचों की अंधी दौड़

धन के पीछे भागती दुनिया-लक्ष्मी की तलाश में अलक्ष्मी का आलिंगन



-डॉ. दीपक आचार्य

धन-संपत्ति का अंबार लगा लेना ही लक्ष्मीवान होना नहीं; वास्तविक लक्ष्मी वहाँ निवास करती है, जहाँ संतोष, सदाचार, उदारता और परोपकार का वास हो।

दीपावली बीत गई। इसके साथ जुड़े दूसरे पर्व भी धीरे-धीरे विदा हो रहे हैं। इन दिनों हमने लक्ष्मी मैया को प्रसन्न करने और अपने घर-आँगन में स्थायी रूप से विराजमान करने के लिए क्या-क्या नहीं किया! असंख्य दीप जलाए, आँखों को चुँधिया देने वाली रोशनी से रात को जगमगाया, रातभर जागकर पूजा-पाठ किया और देवी की आराधना में कोई कसर बाकी नहीं रखी। लक्ष्मी और महालक्ष्मी के मंदिरों में ढोल-नगाड़े बजाए, भजन-कीर्तन किए, डीजे और ध्वनि-विस्तारकों पर स्तोत्रों, मंत्रों और स्तुतियों की गूँज पैदा की। सुबह, दोपहर, शाम और मध्यरात्रि तक आरतियाँ हुईं। जयघोषों से वातावरण गुंजायमान रहा। घरों में लक्ष्मीपूजन हुआ, पण्डितों से अनुष्ठान करवाए गए, मंत्रोच्चार हुए और देवी की प्रतिमाओं का मनोहारी शृंगार किया गया। हमने वह सब कुछ किया, जो हमारी परम्पराओं में रहा है, जो हमें बताया गया और जो हमारी कल्पनाओं में आया। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या लक्ष्मी मैया वास्तव में हम पर प्रसन्न हुईं? क्या वे हमारे घरों में ठहरने आईं? अथवा हम केवल बाहरी आडम्बर और कर्मकाण्डों में ही उलझे रह गए? लक्ष्मी चंचला कही जाती हैं। लेकिन क्या उनके न ठहरने का कारण केवल उनकी चंचल प्रकृति है, अथवा हमारी अपनी जीवनशैली और धन के प्रति दृष्टिकोण भी इसके लिए जिम्मेदार है?

लक्ष्मी की आराधना या धन की अंधी उपासना? सच तो यह है कि किसी अन्य पर्व-त्योहार के लिए हम शायद ही इतनी गंभीरता और उत्सुकता दिखाते हों, जितनी लक्ष्मीपूजन के अवसर पर दिखाई देती है। आखिर मामला धन-संपत्ति का जो है! धन के नाम पर हमारी सक्रियता, तत्परता और समर्पण देखते ही बनता है। लगता है जैसे जीवन का एकमात्र उद्देश्य धन अर्जित करना और उसे किसी भी कीमत पर अपने पास बनाए रखना ही रह गया है। आज अधिकांश लोगों की प्राथमिकताओं में पैसा सर्वोपरि हो गया है। धन पाने की लालसा कई बार मनुष्य को नैतिकता, संवेदना और विवेक की सीमाएँ लाँघने के लिए भी प्रेरित कर देती है। हम धन के लिए अपना समय, स्वास्थ्य, पारिवारिक सुख, मानसिक शान्ति और यहाँ तक कि आत्मसम्मान तक दाँव पर लगाने को तैयार हो जाते हैं। विडम्बना यह है कि धन की इस अंधी दौड़ में शामिल होकर हम स्वयं को भाग्यशाली और सफल समझने लगते हैं, जबकि कई बार हमारी यह दौड़ हमें वास्तविक समृद्धि से दूर ले जाती है। हम प्रतिवर्ष लक्ष्मी की आराधना करते हैं, लेकिन वर्षभर हमारी प्राथमिकताएँ कुछ और ही रहती हैं। मन में अकूत धन-संपदा पाने की आकांक्षा बनी रहती है और उसके लिए उचित-अनुचित, नैतिक-अनैतिक रास्तों के बीच का अंतर भी धुँधला पड़ने लगता है। इसके बावजूद तृप्ति नहीं मिलती।

जिसे लक्ष्मी समझ बैठे हैं, कहीं वह अलक्ष्मी तो नहीं? लक्ष्मी और अलक्ष्मी के बीच का अंतर समझना आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। हमारी सबसे बड़ी भूल यही है कि हमने लक्ष्मी के अर्थ को केवल रुपये-पैसे, सोने-चाँदी, जमीन-जायदाद और भौतिक वैभव तक सीमित कर दिया है। जबकि वास्तविक लक्ष्मी का अर्थ कहीं अधिक व्यापक है। धन जीवन का एक साधन है, स्वयं जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं। वास्तविक समृद्धि वह है, जिसमें धन के साथ स्वास्थ्य, मानसिक शान्ति, संतोष, सदाचार, आत्मसम्मान, पारिवारिक सुख, सामाजिक प्रतिष्ठा और दूसरों के काम आने की क्षमता भी शामिल हो। जिस संपत्ति को पाने के लिए मनुष्य को अपनी शान्ति गँवानी पड़े, जिसके संरक्षण के लिए हर समय भय और आशंका में जीना पड़े, जिसके कारण रिश्ते टूटें, विश्वास समाप्त हो और जीवन निरन्तर तनाव से घिरा रहे, उसे वास्तविक लक्ष्मी कैसे कहा जा सकता है? ऐसी संपदा भले ही बाहर से आकर्षक दिखाई दे, लेकिन यदि वह व्यक्ति के भीतर लोभ, असुरक्षा, अहंकार और अशान्ति बढ़ा रही है तो वह समृद्धि नहीं, बल्कि अलक्ष्मी का स्वरूप है।

अलक्ष्मी की चौकीदारी में बीतता जीवन- अनुचित साधनों से अर्जित धन को अपने पास बनाए रखने के लिए मनुष्य को अनेक प्रकार के जतन करने पड़ते हैं। उसे हर समय चोरी, लूट, धोखाधड़ी, छीन लिए जाने और कानूनी कार्रवाई का भय सताता रहता है। धन की सुरक्षा के लिए पहरेदार, सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा के अनेक इंतजाम करने पड़ते हैं। कई बार अपनी अवैध कमाई और काले कारनामों को छिपाने के लिए नए-नए समझौते और जोड़-तोड़ भी करने पड़ते हैं। ऐसे धन का स्वामी बाहर से कितना ही शक्तिशाली और प्रभावशाली क्यों न दिखाई दे, भीतर से वह आशंकाओं और असुरक्षाओं से घिरा रहता है। उसकी रातों की नींद और दिन का चैन धन की रखवाली में ही खप जाता है।

इसके विपरीत, शुचिता, ईमानदारी और पुरुषार्थ से अर्जित संपत्ति व्यक्ति को आत्मसम्मान और निर्भयता प्रदान करती है। उसे अपने धन को लेकर किसी के सामने सफाई देने या अनैतिक समझौते करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। वह अपनी उपलब्धियों के साथ सहज और संतुष्ट रह सकता है। यही वास्तविक अंतर है लक्ष्मी और अलक्ष्मी का। एक मनुष्य को निर्भयता, संतोष और आत्मगौरव देती है, जबकि दूसरी उसे लोभ, भय और असुरक्षा के जाल में उलझाए रखती है।

करोड़ों के स्वामी, फिर भी भिखारी जैसी बेचैनी- धन के पीछे भागने की प्रवृत्ति का सबसे विचित्र रूप उन लोगों में दिखाई देता है, जिनके पास पहले से ही अकूत संपत्ति, विशाल जमीन-जायदाद और तमाम भौतिक सुविधाएँ मौजूद हैं, लेकिन उनकी भूख समाप्त होने का नाम नहीं लेती। वे दिन-रात और अधिक पाने की जुगत में लगे रहते हैं। अपने से अधिक संपन्न और प्रभावशाली लोगों के आगे झुकते हैं, मिन्नतें करते हैं, जोड़-तोड़ करते हैं और कई बार अपने आत्मसम्मान तक को दाँव पर लगा देते हैं। यह कैसी विडम्बना है कि जिसके पास सब कुछ है, वह भी स्वयं को अभावग्रस्त समझता है! जिसके भण्डार भरे हुए हैं, वह भी और अधिक पाने के लिए बेचैन है। धन बढ़ता जाता है, लेकिन तृप्ति घटती जाती है। ऐसे लोग धनवान तो हो सकते हैं, लेकिन आवश्यक नहीं कि लक्ष्मीवान भी हों।

लक्ष्मी का वास्तविक स्वरूप - संतोष, शुचिता और सदाचार- लक्ष्मी का अर्थ केवल मुद्रा और भौतिक संपदा नहीं है। जीवन में स्वास्थ्य, सौंदर्य, ज्ञान, विवेक, सद्बुद्धि, प्रतिष्ठा, आत्मविश्वास, परिवार का स्नेह, सामाजिक सम्मान और मानसिक शान्ति भी समृद्धि के ही स्वरूप हैं। जिस व्यक्ति के पास पर्याप्त धन हो, लेकिन वह उसका उपभोग तक न कर पाए, रातभर चैन से सो न सके, बीमारियों और तनाव से घिरा रहे, परिवार में आत्मीयता न हो और समाज में उसका सम्मान न हो, उसकी संपन्नता का वास्तविक अर्थ क्या रह जाता है? वास्तविक लक्ष्मीवान वह है, जिसके पास जीवन को आनंदपूर्वक जीने की क्षमता हो। जो अपने धन का सदुपयोग कर सके, दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी बन सके और अपने भीतर संतोष तथा उदारता बनाए रख सके।

खबर से बड़ा हो गया बाजार और सच से तेज प्रचार



राजेश जैन

लोकतंत्र को मीडिया चाहिए या सिर्फ खबरों का कारोबार? यह सवाल आज इसलिए अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि खबरों की दुनिया पहले से कहीं बड़ी हो गई है, लेकिन सच तक पहुंचना उतना ही मुश्किल होता जा रहा है। सुबह अखबार खोलिए, टीवी चलाइए या मोबाइल पर सोशल मीडिया देखिए; हर ओर खबरें, घटनाओं के वीडियो, विशेषज्ञों की राय, बहसें और हर मुद्दे पर तत्काल प्रतिक्रियाएं हैं।

सूचना की इस बाढ़ में कमी सिर्फ एक चीज की महसूस होती है—ठहरकर सच की पड़ताल करने की। पत्रकारिता का संकट यह नहीं है कि लोग खबरें पढ़ या देख नहीं रहे। असली संकट यह है कि खबरों की बहुतायत के बीच पाठक यह तय नहीं कर पा रहा कि किस पर भरोसा करे। एक ही घटना पर अलग-अलग दावे, आधे-अधूरे तथ्य, पुराने वीडियो को नई घटना बताकर प्रसारित करना और बिना पुष्टि के वायरल होती सूचनाएं इस भरोसे को लगातार कमजोर कर रही हैं। ऐसे में पत्रकारिता की भूमिका केवल सूचना पहुंचाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे सूचना और सत्य, दावे और तथ्य तथा प्रचार और खबर के बीच का फर्क भी स्पष्ट करना होगा। 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। इसी दिन 1966 में भारतीय प्रेस परिषद ने काम करना शुरू किया था। इसका उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने के साथ पत्रकारिता के मानकों को बनाए रखना भी था। यानी प्रेस की आजादी और उसकी जिम्मेदारी को शुरू से ही एक-दूसरे का पूरक माना गया। आज, जब मीडिया का स्वरूप, पहुंच और प्रभाव तेजी से बदल रहे हैं, इस मूल भावना को नए सिरे से समझने की जरूरत है।

खबरों की तेजी और सच की पड़ताल- एक समय खबर पाठक तक पहुंचने के लिए अखबार के अगले संस्करण या रेडियो-टीवी बुलेटिन का इंतजार करती थी। अब घटना होते ही उसका वीडियो और उससे जुड़ा दावा कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। इस बदलाव ने सूचना के प्रसार को तेज और व्यापक बनाया है। आपदा, दुर्घटना, स्थानीय समस्या या प्रशासनिक लापरवाही की जानकारी अब किसी बड़े मीडिया संस्थान की मोहताज नहीं रही। आम नागरिक भी घटनाओं को रिकॉर्ड कर सार्वजनिक कर सकते हैं। सूचना के इस लोकतंत्रीकरण ने खबरों की दुनिया में नए रास्ते खोले हैं। लेकिन सूचना का प्रसार आसान होने के साथ उसकी विश्वसनीयता की चुनौती भी बढ़ी है। सोशल मीडिया पर किसी वीडियो का मौजूद होना उसके सच होने का प्रमाण नहीं है। तस्वीर असली हो सकती है, लेकिन उसका समय, स्थान और संदर्भ गलत हो सकता है। किसी बयान का छोटा-सा हिस्सा पूरे अर्थ को बदल सकता है। फर्जी दस्तावेज और कृत्रिम रूप से तैयार तस्वीरें भी वास्तविकता जैसी दिखाई दे सकती हैं। इसलिए आज पत्रकारिता की कसौटी केवल सबसे पहले खबर देने की नहीं, बल्कि उसकी पुष्टि कर सही संदर्भ के साथ पाठक तक पहुंचाने की है।

जब खबर की जगह तमाशा लेने लगे- पत्रकारिता की मूल भूमिका सत्ता से सवाल पूछना, जनता की समस्याओं को सामने लाना और व्यवस्था को जवाबदेह बनाना रही है। लेकिन आज टेलीविजन समाचारों का बड़ा हिस्सा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप, तीखी बहसों और सनसनी के बीच उलझा दिखाई देता है। किसी मुद्दे की जमीनी पड़ताल से ज्यादा महत्व कई बार इस बात को मिलने लगता है कि किसने क्या कहा और किसने किसे जवाब दिया। बहस अपने आप में समस्या नहीं है। लोकतंत्र में असहमति और विचारों का टकराव जरूरी है। समस्या तब पैदा होती है, जब बहस का उद्देश्य मुद्दे को समझना नहीं, बल्कि दर्शक को बांधे रखना बन जाता है। स्टूडियो में ऊंची आवाजें सुनाई देती हैं, लेकिन गांव में पानी की समस्या, अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी, स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद या मजदूरों की मजदूरी जैसे सवाल उतनी जगह नहीं पाते। खबर का महत्व उसके जनहित से तय होना चाहिए, न कि उससे पैदा होने वाली उत्तेजना से। टीआरपी और विज्ञापन आधारित मॉडल ने इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। टेलीविजन रेटिंग दर्शकों की संख्या और कार्यक्रमों की लोकप्रियता मापने का माध्यम है। इसका सीधा संबंध विज्ञापन से है। सरकार ने मार्च 2026 में टीवी रेटिंग के लिए नई नीति जारी की, जिसमें पारदर्शिता, ऑडिट और मापन की विश्वसनीयता पर जोर दिया गया। यह सुधार जरूरी है, लेकिन बड़ा सवाल अब भी कायम है—क्या दर्शकों की पसंद ही खबरों की प्राथमिकता तय करेगी या जनहित भी संपादकीय फैसलों का आधार बना रहेगा?

संपादकीय स्वतंत्रता पर बाजार और सत्ता का दबाव- मीडिया संस्थान भी आर्थिक व्यवस्था से बाहर नहीं हैं। अखबार को कागज, छपाई, वितरण और कर्मचारियों पर खर्च करना पड़ता है। टीवी चैनल और डिजिटल पोर्टल भी विज्ञापन तथा दूसरे आय स्रोतों के सहारे चलते हैं। समस्या मीडिया के कारोबार करने में नहीं, बल्कि तब पैदा होती है जब कारोबारी हित संपादकीय फैसलों को प्रभावित करने लगते हैं। जब किसी बड़े विज्ञापनदाता, कॉरपोरेट समूह या राजनीतिक ताकत से संस्थान के आर्थिक हित जुड़े हों, तो खबरों के चयन और प्रस्तुति पर दबाव की आशंका बढ़ जाती है। यह दबाव हमेशा सीधे आदेश के रूप में सामने नहीं आता। किसी खबर को प्रमुखता न देना, किसी जांच को बीच में रोक देना, आलोचनात्मक रिपोर्ट को कमजोर कर देना या प्रभावशाली व्यक्ति के खिलाफ खबर प्रकाशित करने से बचना भी संपादकीय स्वतंत्रता को सीमित कर सकता है। आत्म-सेंसरशिप का यह रूप अक्सर दिखाई नहीं देता, लेकिन पाठक तक पहुंचने वाली खबरों को प्रभावित जरूर करता है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के 2026 के विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में 157वें स्थान पर है। संगठन ने राजनीतिक, आर्थिक, कानूनी, सामाजिक और सुरक्षा से जुड़े पहलुओं के आधार पर यह आकलन किया है। किसी एक रैंकिंग को देश की पूरी पत्रकारिता का अंतिम मूल्यांकन नहीं माना जा सकता, लेकिन यह उन परिस्थितियों की ओर ध्यान जरूर खींचती है जिनमें मीडिया को काम करना पड़ रहा है। प्रेस की स्वतंत्रता पर बाहरी दबावों की चर्चा जरूरी है, लेकिन यह भी देखना होगा कि मीडिया संस्थान अपने भीतर संपादकीय स्वतंत्रता की कितनी रक्षा कर पा रहे हैं। **डिजिटल मीडिया ने बदली खबरों की दुनिया**- डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता के सामने नई संभावनाएं खोली हैं।

लोकतंत्र के चारों स्तम्भ सहिष्णुता और असहिष्णुता के सागर में गोते लगा रहे है



बाल मुकुन्द ओझा

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व सहिष्णुता दिवस हर साल 16 नवम्बर को मनाया जाता है। सहिष्णुता या सहनशीलता वह मानवीय गुण है जो हमें दूसरों के भिन्न विचारों, विश्वासों और प्रथाओं को स्वीकार करने और उनका सम्मान करने की अनुमति देता है। यह शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की आधारशिला है।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए सहनशील होना आवश्यक है। सहनशीलता व्यक्ति को मजबूत बनाती है, जिससे वह बड़ी से बड़ी परेशानी का डटकर मुकाबला कर सकता है। अक्सर देखा जाता है हम छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर देते हैं, जिससे बात आगे बढ़ जाती है और अनिष्ट भी हो जाता है। ऐसी ही छोटी-छोटी बातों को मुस्कुराते हुए सुनने वाला व्यक्ति ही सहनशील है। सहनशीलता यानि सहिष्णुता का शब्दिक अर्थ है शरीर और मन की अनुकूलता और प्रतिकूलता को सहन करना। मानव व्यक्तित्व के विकास और उन्नयन का मुख्य आधार तत्व सहिष्णुता है। स्वयं के विरूद्ध किसी भी आलोचना को स्वीकार नहीं करना मोटे रूप में असहिष्णुता है। सहिष्णुता मनुष्य को दयालु और सहनशील बनाती है वहीं असहिष्णुता मनुष्य को अहंकारी बनाती है। अहंकार अंधकार का मार्ग है जो मनुष्य और समाज का सर्वनाश कर देती देश में आज सहिष्णुता तार तार हो रही है। हम ने अपने हित साधने के लिए दूसरों को बलि का बकरा बनाना सीख लिया है। यही कारण है की समाज में भाई चारे का स्थान वैमनस्यता ने ले लिया है। यह भी लगता है लोकतंत्र के चारों स्तम्भ सहिष्णुता और असहिष्णुता के सागर में गोते लगा रहे है। लोकतंत्र के चार स्तंभ है, विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और पत्रकारिता। इनमें विधायिका, कार्यपालिका और पत्रकारिता पर सहिष्णुता को तार तार करने के आरोप लगते रहते है मगर अब न्यायपालिका भी इसमें शामिल हो गई है। पिछले साल की ही बात करे, इलाहबाद हाईकोर्ट के एक विवादस्पद फैसले की देशभर में खूब नुक्ताचीनी हुई । इस फैसले में माननीय न्यायालय ने कहा किसी बच्ची के स्तनों को पकड़ना और पायजामे का नाडा तोड़ने तथा नीचे खींचने का प्रयास करना बलात्कार या बलात्कार की कोशिश का अपराध नहीं है। न्यायालय के इस असहिष्णु आदेश की देशभर में थू थू होने पर सुप्रीम कोर्ट को आखिर हस्तक्षेप कर कहना पड़ा यह फैसला लिखने वाले जज में संवेदनशीलता की कमी दिखती है। विदेशी आक्रांता औरंगज़ेब को लेकर देश में तरह तरह की भ्रांतियां फैलाई जा रही है जबकि यह ऐतिहासिक सच्चाई है की ओरंगजेब हमारा आइकॉन नहीं हो सकता। उसके जोर जुल्म की कहानियासर्वविदित है। इसी भांति एक कॉमेडियन ने एक राजनेता पर जानबूझकर सियासी टिप्पणी कर अपनी असहिष्णुता का परिचय दिया तो राजनेता समर्थकों ने पलटवार कर उसके कार्यालय में तोड़फोड़ कर दी।

दोनों पक्षों ने संयम और सहनशीलता का परिचय नहीं दिया। जहां तक विधायिका की बात है, लोकसभा और राज्यसभा के अध्यक्ष आये दिन सदस्यों को सहनशीलता और अनुशासन में रहने की सीख देते है जिसे कोई भी स्वीकार करने को तैयार नहीं है। चौदहवीं और पन्द्रहवीं शताब्दी को समाज सुधार की दिशा में अग्रणी माना गया है। इस अवधि में समाज सुधार आंदोलन फैला और सामाजिक बुराइयों को चुनौती मिली। समाज सुधार के इस आंदोलन का नेतृत्व संतों और समाज सुधारकों ने किया। इन सन्तों ने जाति प्रथा, धार्मिक कट्टरता और अंध विश्वास के विरूद्ध लोगों में चेतना के बीज बोये। संतों ने समाज में बराबरी, समता, भाईचारे और प्रेम का सन्देश फैलाया। आपसी कटुता और बैरभाव के विरूद्ध लोगों को चेताया। संत कबीरदास से लेकर गुरू नानक, रैदास और सुन्दरलाल आदि संतों ने समाज में सहिष्णुता का भाव उत्पन्न कर सामाजिक समरसता को जन जन तक पहुंचाया। इससे समाज में सही अर्थों में सहिष्णुता की भावना बलवती हुई। संत कबीर हिन्दु-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। उन्होंने राम-रहीम को एक माना और कहा ईश्वर एक है भले ही उसके नाम अलग-अलग क्यों न हों।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस और इसकी प्रासंगिकता



-सुनील कुमार महला।

16 नवंबर को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। वास्तव में यह दिन केवल पत्रकारिता के महत्व को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह मीडिया की स्वतंत्रता, निष्पक्षता, विश्वसनीयता और सामाजिक जिम्मेदारी पर आत्ममंथन करने का भी अवसर है। बहरहाल , यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय प्रेस परिषद ने आज ही के दिन यानी कि 16 नवंबर, 1966 को कार्य करना प्रारंभ किया था और इसी ऐतिहासिक दिन की स्मृति में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है।

जैसा कि हम सभी यह जानते हैं कि लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के साथ मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।शायद यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, क्योंकि यह जनता और शासन के बीच संवाद का माध्यम बनता है। सत्ता के निर्णयों को जनता तक पहुँचाना, जनसमस्याओं को शासन के सामने रखना, व्यवस्थागत कमियों को उजागर करना और नागरिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना पत्रकारिता के प्रमुख दायित्व हैं। उल्लेखनीय है कि समय के साथ ही साथ आज सूचना और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव आया है। समाचार पत्रों और टेलीविजन के साथ डिजिटल मीडिया, समाचार पोर्टल और सोशल मीडिया ने सूचना के प्रसार को अत्यंत तीव्र बना दिया है। अब कोई भी घटना कुछ ही क्षणों में दुनिया के कोने-कोने तक पहुँच जाती है। यह बदलाव जहाँ सूचना की पहुँच को व्यापक बना रहा है, वहीं कई नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर रहा है। अधूरी जानकारी, भ्रामक खबरें, फर्जी समाचार, भ्रामक शीर्षक और बिना पुष्टि के प्रसारित सामग्री समाज में भ्रम, अविश्वास और तनाव पैदा कर सकती है। ऐसे समय में पत्रकारिता की विश्वसनीयता और उसकी जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल खबरों को सबसे पहले प्रसारित करना नहीं, बल्कि सही तथ्यों के साथ उन्हें समाज के सामने रखना भी है। कुत्ता आदमी को काट ले,यह खबर नहीं है। आदमी कुत्ते को काट ले, खबर वह है, क्यों कि जो अप्रत्याशित है,वहीं ख़बर है। वास्तव में,ख़बर की पुष्टि, स्रोतों की विश्वसनीयता, दोनों पक्षों को सुनना और भाषा की मर्यादा बनाए रखना निष्पक्ष पत्रकारिता की बुनियादी शर्तें हैं। किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को प्रभावित करने वाली खबरों में विशेष सावधानी अपेक्षित है। सनसनीखेज प्रस्तुति और टीआरपी की होड़ में समाचार की मूल आत्मा प्रभावित नहीं होनी चाहिए, जैसा कि आज हो रहा है। इतना ही नहीं, आज पत्रकारिता के सामने एक बड़ी चुनौती आर्थिक दबाव, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और विभिन्न प्रकार के प्रभावों के बीच अपनी संपादकीय स्वतंत्रता बनाए रखने की भी है। पत्रकारिता तभी सार्थक हो सकती है, जब वह किसी पक्ष विशेष के हितों के बजाय जनहित को प्राथमिकता दे। सरकार की उपलब्धियों को सामने लाना जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक उसकी कमियों और जनसमस्याओं पर सवाल उठाना भी है। इसी प्रकार सकारात्मक कार्यों, सामाजिक बदलावों और समाज के अंतिम व्यक्ति के संघर्ष को स्थान देना भी मीडिया का महत्वपूर्ण दायित्व है। यही नहीं, आज ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों की समस्याओं को पर्याप्त स्थान मिलना चाहिए। पत्रकारिता का दायरा केवल राजनीतिक बयानबाजी और मनोरंजन तक सीमित नहीं होना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रोजगार, सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं से जुड़े विषयों को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। एक जिम्मेदार पत्

चौथमल म.सा. के जन्म जयंती कार्यक्रम के उपलक्ष्य में सहजोड़े जाप में 98 जोड़े ने जाप

निम्बाहेडा (हुक्मनामा समाचार)। सेती स्थित शांति भवन मे जेन सिहान्ताचार्य तपस्वी रत्ना प्रतिभा जी मा.सा. आदि ठाणा चार के सानिध्य एव श्रमण संघ सेंती के तत्वाधान मे जैन दिवाकर परम पूज्य गुरुदेव चौथमल जी मा.सा. की जन्म जयन्ति मनाई जा रही है। यह कार्यक्रम आठ दिवस तक गतिमान रहेगा। इस भव्य आयोजन के प्रथम दिवस पर दिवाकर चालीसा का पाठ एवं सहजोड़े जाप का आयोजन हुआ। कुल 98 जोड़े ने जाप किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पाँच लक्की ड्रा रहा। उपरोक्त कार्यक्रम मे प्रभावना के लाभार्थी स्वर्गीय सज्जनदेवी चोपड़ा पत्नि स्वर्गीय सोहनलाल चोपड़ा की पावन स्मृति मे रोशन लाल चोपड़ा रहे। इनके द्वारा जाप के जोड़ो को सामयिक बेग वितरीत किए। कार्यक्रम मे जालना (महाराष्ट्र) व डूंगला के श्रावको ने भी धर्म लाभ लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

सच्चा संतोष परिग्रह की ममता त्यागकर आत्मस्वरूप में स्थित होने में है : मुनि योगसागर

पुण्योदय अतिशय क्षेत्र, नसियां जी, दादाबाड़ी में भव्य समारोह पिच्छिका परिवर्तन समारोह आज

कोटा, (हुक्मनामा समाचार)। कार्तिक शुक्ल पंचमी के अवसर पर दिगम्बर जैन पुण्योदय अतिशय क्षेत्र, नसियां जी, दादाबाड़ी, कोटा में चातुर्मासरत परम पूज्य ज्येष्ठ-श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण मुनि 108 योगसागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में रत्नकरण्ड श्रावकाचार के श्लोक क्रमांक 145 से 150 की व्याख्या करते हुए श्रावक की उच्च साधना, परिग्रह त्याग, रत्नत्रय धर्म और वर्तमान समय के सदुपयोग का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

मुनि ने परिग्रह त्याग प्रतिमा के लक्षण बताते हुए कहा कि जो श्रावक दस प्रकार के परिग्रहों में ममता का त्याग कर निर्मोही बनता है, परिग्रह की आकांक्षा से निवृत्त होकर आत्मस्वरूप में स्थित रहता है और संतोष को धारण करता है, वही परिग्रह त्याग प्रतिमा का सच्चा धारक है। परिग्रह का त्याग केवल वस्तुओं को छोड़ना नहीं है, बल्कि उन वस्तुओं के प्रति मन में उत्पन्न होने वाली ममता और आसक्ति का त्याग करना है। वास्तविक संतोष बाहरी संपत्ति में नहीं, बल्कि आत्मा के शुद्ध स्वरूप में स्थित होने में है। श्लोक 146 में अनुमति त्याग प्रतिमा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए महाराज ने कहा कि जो श्रावक आरंभिक एवं लौकिक कार्यों में अनुमति देने से भी निवृत्त हो जाता है, वह विवेकपूर्वक अनुमति-विरत श्रावक कहलाता है। प्रतिमा धारण करने वाला श्रावक गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी अपनी साधना को क्रमशः उच्च स्तर तक पहुंचा सकता है। श्लोक 147 में उद्दिष्ट त्याग प्रतिमा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि गृहस्थी का पूर्ण त्याग कर मुनि संघ के निकट रहकर व्रत, तप और संयम का पालन करने वाला, भिक्षा से भोजन ग्रहण करने वाला तथा न्यूनतम साधनों में जीवन व्यतीत करने वाला श्रावक उत्कृष्ट साधक कहलाता है। यह श्रावक की साधना का सर्वोच्च अर्थात ग्यारहवीं प्रतिमा का स्वरूप है। महाराज ने श्लोक 148 की व्याख्या करते हुए कहा कि पाप जीव का शत्रु है और धर्म जीव का सच्चा हितकारी बंधु है। आगम का ज्ञान प्राप्त कर जब जीव अपने वास्तविक स्वरूप को समझता है, तभी उसके कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। अनादिकाल से जीव पाप-पुण्य के बंधनों में उलझा हुआ है। इन बंधनों से ऊपर उठकर



आत्मस्वभाव में स्थित होना ही वास्तविक सुख है। श्लोक 149 में रत्नत्रय धर्म के फल को बताते हुए मुनि ने कहा कि सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र रूपी रत्नत्रय ही आत्मकल्याण का आधार हैं। जिस जीव की आत्मा इन तीनों रत्नों से सुशोभित होती है, उसके लिए तीनों लोकों में सर्वोच्च कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अंतिम मंगल श्लोक 150 के माध्यम से महाराज ने सम्यक दर्शन-ज्ञान-चरित्र, सप्तशील व्रत एवं अष्ट मूलगुणों के पालन से जीवन को सुरक्षित, उज्ज्वल और निर्मल बनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि किसी भी ग्रंथ का अध्ययन वैराग्य की भावना से तथा प्रत्येक कार्य का संपादन विवेकपूर्वक करना चाहिए।

मोहनपुरा मे सरपंच पद के लिए 09 उम्मीदवार आज होगा मतदान



इन्द्रगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। इन्द्रगढ़ के मोहनपुरा मे सरपंच और पंच चुनाव को लेकर उत्साह का माहौल है मोहनपुर ग्राम पंचायत सरपंच पद की सीट अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित जिसमे सरपंच पद के लिए 9 उम्मीदवार मैदान में है वहीं वार्ड पंच के लिए 9 वार्डों में से दो वार्ड पंच का निर्विरोध निर्वाचन हो चुका है एवं साथ 07 वार्डो के लिए आज मतदान होगाजिसको लेकर गांवों में चुनावी माहौल चरम पर है। प्रशासन ने इसकी सभी तैयारियां कर ली है। ये चुनाव बैलेट पेपर से होगा। शाम को ही इसके नतीजे घोषित किए जाएंगे। **मतदाता दोबारा डालेंगे वोट** पंचायत चुनाव के चौथे चरण में मतदाता आज को दोबारा वोट डालेंगे। इससे पहले वे 14 नवंबर को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य के लिए वोटिंग कर चुके हैं। इसके लिए उनके उल्टे हाथ की अंगुठे के पास वाली (तर्जनी) अंगुली पर स्याही लगी थी। अब सरपंच और वार्ड पंच के लिए मतदान के समय उनके सीधे हाथ की अंगुठे के पास वाली (तर्जनी) अंगुली पर स्याही लगाई जाएगी।

डीडवाना में बदला मौसम का मिजाजः सुबह की बूंदाबांदी से लुढ़का पारा, जिले में सर्दी ने दी दस्तक



डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। क्षेत्र में मौसम ने एक बार फिर अचानक करवट ली है। रविवार सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही, जिसके बाद ग्रामीण क्षेत्रों में हल्की बारिश और बूंदाबांदी का दौर शुरू हो गया। मौसम में आए इस बदलाव के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और लोगों को अब सर्दी का अहसास होने लगा है।जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 8:00 बजे के बाद ग्रामीण अंचलों में मौसम का मिजाज बदल गया और करीब 15 से 20 मिनट तक कहीं हल्की बारिश तो कहीं बूंदाबांदी दर्ज की गई। सुबह-सुबह हुई इस फुहार के बाद ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई।अचानक हुई इस बूंदाबांदी के चलते जहां मौसम खुशनुमा हो गया, वहीं सुबह और शाम के समय चलने वाली ठंडी हवाओं ने लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेने पर मजबूर कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बदले इस मौसम को फसलों के लिहाज से भी देखा जा रहा है। अब दिन में भी हल्की ठंडक महसूस होने से सर्दी के तेवर तीखे होने के संकेत मिलने लगे हैं।

डीडवाना उपखंड के निंबी खुर्द के पास सड़क दुर्घटना

बाइक सवार युवक की मौत, नीलगाय से टकराई थी गाड़ी



डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। उपखंड क्षेत्र के निंबी खुर्द के पास सड़क दुर्घटना में 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। अचानक बाइक के सामने नीलगाय आ जाने से यह हादसा हुआ, जिसने एक हंसते-खेलते परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरदारपुरा कलां निवासी राजकुमार उर्फ राजू राम (पुत्र गोमाराम, उम्र 28 वर्ष) रोज की तरह अपनी बाइक से अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान वह निंबी खुर्द से निंबी कलां की ओर बढ़ रहा था। जब वह निंबी खुर्द की सरहद के पास पहुंचा, तो अचानक उसकी बाइक के सामने एक नीलगाय (रोजड़ा) आ गई।अचानक सामने आए वन्यजीव को बचाने के प्रयास में बाइक असंतुलित होकर अनियंत्रित हो गई। इस हादसे में बाइक सवार राजकुमार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को एंबुलेंस की सहायता से डीडवाना शहर के राजकीय बांगड़ जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां आपातकालीन कक्ष में चिकित्सकों ने पारंपरिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।दुर्घटना की सूचना मिलते ही डीडवाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। इसके बाद शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम करवाकर शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है।

ग्रामीण सरकार का फैसला आजः डीडवाना में 242 उम्मीदवार आमने-सामने, कहीं सीधी टक्कर तो कहीं त्रिकोणीय संघर्ष

डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। पंचायती राज आम चुनाव के चौथे चरण के तहत डीडवाना पंचायत समिति क्षेत्र में चुनावी रण पूरी तरह से सज चुका है। नामांकन प्रक्रिया, नाम वापसी और चुनाव चिन्ह आवंटन के बाद अब तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। डीडवाना क्षेत्र की 47 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सरकार चुनने के लिए प्रशासनिक तैयारियां अंतिम चरण में हैं, और प्रत्याशियों ने भी अपने प्रचार-प्रसार में पूरी ताकत झोंक दी है। **345 में से 242 उम्मीदवार मैदान में डटे** निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, डीडवाना पंचायत समिति की 47 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए कुल 345 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। इसके बाद नाम वापसी की निर्धारित अंतिम तिथि तक कई प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस ले लिए। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने और चुनाव चिन्हों का आवंटन होने के बाद अब कुल 242 प्रत्याशी चुनावी मैदान में शेष बचे हैं, जिनके बीच मुकाबला तय हो गया है। **कहीं सीधी टक्कर तो कहीं कड़ा त्रिकोणीय**



संघर्ष 47 ग्राम पंचायतों के इन चुनावी आंकड़ों पर नजर डालें तो डीडवाना क्षेत्र में इस बार का मुकाबला बेहद दिलचस्प और रोमांचक हो गया है। कुछ ग्राम पंचायतों में केवल दो उम्मीदवार आमने-सामने हैं, जिससे वहां सीधा और कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है।कई पंचायतों में तीन उम्मीदवार मैदान में होने से त्रिकोणीय संघर्ष की स्थिति बन गई है।कुछ विशेष ग्राम पंचायतों में तो हालात यह हैं कि 10 तक उम्मीदवार चुनावी ताल ठोक रहे हैं, जिससे वहां मुकाबला बेहद कड़ा और बहुकोणीय हो गया है। प्रत्याशियों की संख्या अधिक होने के कारण हर पंचायत में जातिगत समीकरण, व्यक्तिगत पकड़ और विकास के मुद्दों पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। **16 नवंबर को होगा मतदान, 17 को चुना जाएगा उपसरपंच** इन सभी 242 प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य और भाग्य का फैसला आने वाली 16 नवंबर को होगा। इस दिन निर्धारित मतदान केंद्रों पर ग्रामीण मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपनी-अपनी ग्राम पंचायत के नए सरपंच का चुनाव करेंगे।

जनजातीय गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित हुए कार्यक्रम

बारां (हुक्मनामा समाचार)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर रविवार को जिले में जनजाति गौरव दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर जिला एवं ब्लॉक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला मुख्यालय पर मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन का भी स्क्रीन पर लाइव प्रसारण किया गया। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में सीईओ जिला परिषद शिवेंद्र प्रताप, एडीएम व सहरिया परियोजना विकास अधिकारी पुष्पा हरवानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान उनके जीवन संघर्ष, आदिवासी समाज के उत्थान तथा देश की स्वतंत्रता के लिए दिए गए योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में जनजाति समाज के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। इसी क्रम में जिले की विभिन्न पंचायत समितियों में भी ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें भगवान बिरसा मुंडा के जीवन एवं आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए उनके योगदान को स्मरण किया गया तथा जनजातीय संस्कृति, परंपराओं एवं गौरवशाली इतिहास के संरक्षण का संदेश दिया गया।

विश्व रिमेम्बर्स डे पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

कैंडल मार्च निकाल दुर्घटनाओं में दिवंगत लोगों को दी श्रद्धांजलि, सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

बारां (हुक्मनामा समाचार)। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित नवम्बर माह के तृतीय रविवार के अवसर पर रविवार को 'वर्ल्ड रिमेम्बर्स डे' एवं 'राज्य सड़क सुरक्षा दिवस' विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। जिला सड़क सुरक्षा समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रमों का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित करना, आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करना रहा। कार्यक्रमों के तहत सुबह 10 बजे कृषि उपज मंडी में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों एवं अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम किया जा सके। इसके पश्चात जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती घायलों को फल वितरित करते हुए उनके अनुभव साझा किए गए। साथ ही आपातकालीन सेवाओं में नियोजित कार्मिकों एवं एम्बुलेंस चालकों को सम्मानित किया गया। शाम को प्रताप चौक से चारमूर्ति चौराहा तक कैंडल मार्च निकाला गया। इसमें आमजन एवं संबंधित अधिकारियों ने भाग लेकर सड़क दुर्घटनाओं में दिवंगत हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। चारमूर्ति चौराहे पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में दिवंगत लोगों की स्मृति में पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर आमजन को गुड समेरिटन (राहवीर) योजना, पीएम राहत योजना एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना की जानकारी भी दी गई। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की सहायता करने तथा यातायात नियमों की पालना करने की अपील की गई। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं नोडल अधिकारी नरेन्द्र सिंह, जिला परिवहन अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा, सीडीईओ गैंदालाल रैगर, डीईओ माध्यमिक सीताराम गोयल, यातायात प्रभारी अब्दुल कलाम, समाजसेवी अनिता सेठी, शिक्षाविद प्रह्लाद मीणा सहित यातायात पुलिस व संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान दो मिनट का मौन धारण कर यातायात नियमों की पालना का संकल्प लिया गया।

चुनाव प्रचार में लगी स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलटी, ग्रामीणों की तत्परता से टला बड़ा हादसा



डीडवाना (हुक्मनामा समाचार)। क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम गिरधारीपुरा के समीप चुनाव प्रचार के दौरान एक स्कॉर्पियो गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में वाहन में सवार किसी भी व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं आई और एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, एक स्कॉर्पियो वाहन के जरिए क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया जा रहा था। इसी दौरान गिरधारीपुरा गांव से बाहर निकलते समय अचानक चालक का वाहन से संतुलन बिगड़ गया, जिससे तेज रफ्तार गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े और देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए बचाव कार्य शुरू किया और गाड़ी के अंदर फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी को भी गंभीर चोट नहीं लगी।

मसूदा पंचायत समिति क्षेत्र में सरपंच व पंच का मतदान आज

बड़ी संख्या में सरपंच प्रत्याशियों ने दाखिल किए नामांकन पत्रढोल नगाड़ों व जुलूस के साथ ऋ कार्यालय पहुंचे सरपंच उम्मीदवार

मसूदा (हुक्मनामा समाचार)। पंचायत राज चुनाव के चौथे चरण के तहत सोमवार पंच व सरपंच पद के चुनाव होंगे। इसी क्रम में नाम दाखिल करने के अन्तिम दिन रविवार को ऋ कार्यालयों में पूरे दिन उम्मीदवारों का जमावड़ा लगा रहा। सरपंच प्रत्याशियों के साथ ही उनके समर्थकों की भारी भीड़ भी पूरे दिन जमा रही, जिससे पूरे दिन मेले जैसा माहौल नजर आया। उम्मीदवारों की संख्या का आलम यह था कि प्रत्याशियों को भी लाईन में लगकर नामांकन जमा करवाने के लिए इंतेजार करना पड़ा। इस दौरान पूरे मसूदा पंचायत समिति में अंतिम दिन सैकड़ो उम्मीदवारों ने अपने-अपने नामांकन पत्र पेश किए। जिला परिषद एवं मसूदा पंचायत समिति में चौथे चरण के तहत 6 जिला परिषद व 25पंचायत समिति पंचायतों में चुनाव संपन्न हो चुके हैं। जबकि चौथे चरण में शनिवार 14 नवम्बर को जिला परिषद व पंचायत समिति के चुनाव हुए थे। वहीं अब आज 16 नवम्बर को 46 ग्राम पंचायतों में पंच व सरपंच चुनाव होने हैं। इसके तहत आज रविवार को सुबह 8 बजे से ही रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय परिसर में लोगों की भीड़ जुटनी प्रारम्भ हो गई। इसके तहत नामांकन दाखिल करने के लिए प्रत्याशी अलग-अलग अंदाज से पहुंचे। कोई प्रत्याशी ढ़ोल-नगाड़ों के साथ पहुंचा तो कोई सैकड़ों समर्थकों के साथ।

डीडवाना-कुचामन की ऐतिहासिक खबर

नुवा-तोलियासर ग्राम पंचायत में भाईचारे की अनूठी मिसाल, सरपंच और सभी 9 वार्ड पंच निर्विरोध निर्वाचित

डीडवाना-कुचामन (हुक्मनामा समाचार)। जिले से पंचायत चुनावों के बीच एक बेहद सुखद और प्रेरणादायक खबर सामने आई है। जिले की ग्राम पंचायत नुवा-तोलियासर ने चुनावी तनातनी, रंजिश और खर्चे-खर्च की पारंपरिक राजनीति से हटकर आपसी सौहार्द, सर्वसम्मति और सामाजिक एकता की एक ऐसी अनूठी मिसाल पेश की है, जिसकी चर्चा पूरे जिले में हो रही है। इस ग्राम पंचायत में एक भी पद के लिए मतदान की नौबत नहीं आई और सरपंच पद सहित सभी 9 वार्ड पंचों का निर्वाचन पूरी तरह से निर्विरोध संपन्न हुआ है। रपंच पद पर ठाकुर कुलदीप सिंह राठौड़ निर्विरोध निर्वाचित कुल 2739 मतदाताओं वाली इस ग्राम पंचायत में लोकतंत्र की खूबसूरती का एक अलग ही रूप देखने को मिला। ग्रामीणों ने आपसी विचार-विमर्श और आम सहमति के आधार पर नेतृत्व तय किया। इसके तहत सरपंच पद पर ठाकुर कुलदीप सिंह राठौड़ को सर्वसम्मति से निर्विरोध चुन लिया गया। ग्रामीणों का मानना है कि सर्वसम्मति से चुने गए प्रतिनिधि बिना किसी भेदभाव के गांव के विकास को प्राथमिकता देंगे। **भी 9 वार्डों में भी बनी सर्वसम्मति**

न केवल सरपंच पद, बल्कि पंचायत के अंतर्गत आने वाले सभी 9 वार्डों में भी गजब की एकजुटता देखने को मिली। सभी वार्डों में बिना किसी चुनावी मुकाबले के उम्मीदवारों का चयन किया गया।वार्ड नंबर 1: लक्ष्मण जांगिड़ वार्ड नंबर 2: मोहनी देवी वार्ड नंबर 3: लाली देवी मिश्रा वार्ड नंबर 4: बाबूलाल जाजोरिया वार्ड नंबर 5: जमनी देवी मेघवाल वार्ड नंबर 6: रामनिवास भाकर वार्ड नंबर 7: देवाराम तेतरवाल वार्ड नंबर 8: पूनम वाल्मीकि वार्ड नंबर 9: पेमाराम फगोड़िया को चुना गया। **डीडवाना-कुचामन जिले की पहली सर्वसम्मति पंचायत** इस प्रकार नुवा-तोलियासर ग्राम पंचायत में सरपंच से लेकर सभी वार्ड पंचों तक के लिए मतदान की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। इसके साथ ही यह ग्राम पंचायत



डीडवाना-कुचामन जिले की पहली ऐसी ग्राम पंचायत बन गई है, जहां का पूरा बोर्ड (सरपंच और सभी वार्ड पंच) निर्विरोध चुना गया है। **चुनावों में आपसी भाईचारे का संदेश** आम तौर पर चुनावों के दौरान गांवों में आपसी मतभेद और तनाव की खबरें आम होती हैं, ऐसे में नुवा-तोलियासर के ग्रामीणों ने यह साबित कर दिया है कि यदि गांव में के लोग चाहें तो आपसी प्रेम और समझदारी से बिना चुनाव लड़े भी एक मजबूत और एकजुट नेतृत्व तैयार कर सकते हैं।

जनजातीय गौरव दिवस पर ईडीपी सभागार, डूंगरपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

डूंगरपुर (हुक्मनामा समाचार)। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर रविवार को जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन ईडीपी सभागार, डूंगरपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं भगवान बिरसा मुंडा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी भंवरलाल, पीओ स्वच्छता भंवरलाल, एडीईओ द्वितीय टीएडी प्रदीप चौहान, एडीईओ प्रथम गेंदालाल डामोर सहित समस्त छात्रावास अधीक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वैभव पाठक ने किया। इस अवसर पर निलेश पाटीदार ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष, उलगुलान आंदोलन एवं जनजातीय समाज के उत्थान में उनके योगदान पर विस्तृत जानकारी दी। समारोह के दौरान महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन ऑनलाइन माध्यम से सुना गया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष एवं बलिदान को नमन करते हुए जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, अधिकारों एवं विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस संपूर्ण राष्ट्र के गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है।

यूको बैंक अधिकारी जांगिड़ का मकराना में हुआ स्वागत

मकराना (हुक्मनामा समाचार)। यूको बैंक अधिकारी प्रीत धीमान (जांगिड़) का मकराना के विश्वकर्मा मंदिर में समारोहपूर्वक भव्य स्वागत किया गया। जांगिड़ विश्वकर्मा समाज, मकराना की ओर से उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समाज की बेटी की इस उपलब्धि पर पूरे समाज में हर्ष और गर्व का माहौल देखने को मिला। भगवान विश्वकर्मा जी के दर्शन के बाद स्वागत समारोह का प्रारंभ हुआ। विश्वकर्मा मंदिर मकराना के अध्यक्ष किस्तूर चन्द जांगिड़ ने बताया कि इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने माला एवं साफा पहनाकर प्रीत धीमान का सम्मान किया तथा नवीन दायित्व के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। सभी ने कहा कि प्रीत धीमान की सफलता समाज की अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। अपनी मेहनत, लगन और पढ़ाई के बल पर उन्होंने यूको बैंक अधिकारी जैसा सम्मानजनक पद हासिल किया है, जो पूरे समाज के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर प्रीत धीमान ने समाज के सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के बड़ों का आशीर्वाद और माता-पिता के सहयोग से ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने पद का उपयोग हमेशा ईमानदारी, निष्ठा और जनसेवा के लिए करेंगे। उन्होंने समाज की युवा पीढ़ी से भी अपील की कि वे शिक्षा पर ध्यान दें, मेहनत से कभी पीछे न हटें और अपने सपनों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। स्वागत समारोह में समाज के वरिष्ठजनों ने प्रीत धीमान को आशीर्वाद दिया और उनके उगवल भविष्य की कामना की। महिलाओं और युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। सभी ने कहा कि समाज की युवा आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, यह समाज के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है। समाज के लोगों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेम, भाईचारे और एकता को बढ़ाते हैं और नई पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में



सभी ने भगवान विश्वकर्मा जी से समाज की सुख-समृद्धि, एकता और उन्नति की प्रार्थना की। कार्यक्रम में विश्वकर्मा मंदिर अध्यक्ष, मकराना किस्तूरचंद जांगिड़, अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपप्रधान कैलाश जाला, जांगिड ब्राह्मण सभा के कार्यकारी जिलाध्यक्ष उमाशंकर जांगिड़, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष ममता सिलक, विश्वकर्मा महिला मण्डल अध्यक्ष प्रेमलता डेरोलिया, मीडिया प्रभारी नटवरलाल धामू, वेद प्रकाश जांगिड़, रामेश्वर कँवलेचा, पूनमचन्द जांगिड़, रामकुमार जांगिड़, नेमीचंद डेरोलिया, हंसराज जांगिड़, बंशराज जांगिड़, नेमीचंद राजोतिया सहित समाज के अनेक प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

विश्व सड़क दुर्घटना मृतक स्मृति दिवस पर निकाला गया कैंडल मार्च

उदयपुर (हुक्मनामा समाचार)। विश्व सड़क दुर्घटना मृतक स्मृति दिवस (वर्ल्ड डे ऑफ रिमेम्बरेंस फॉर रोड ट्रैफिक विक्टिम्स) के अवसर पर रविवार को परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, आधार फाउंडेशन (फाउंडेशन फॉर रोड सेफ्टी), जिला पुलिस एवं गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत शाम 5:30 बजे मोती मगरी गेट से कैंडल मार्च निकाला गया। इस अवसर पर यातायात पुलिस उपाधीक्षक भंवर सिंह चैधरी, आधार फाउंडेशन की डायरेक्टर प्रीति पामेचा, अध्यक्ष अनिल सहदेव एवं गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड कल्पेश राजबार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अतिथियों ने सड़क दुर्घटनाओं में असमय जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की तथा कैंडल मार्च को रवाना किया। मोती मगरी गेट से शुरू हुआ यह मार्च फतहसागर के झरने वाले छोर पर पहुंचकर श्रद्धांजलि सभा में परिवर्तित हुआ। वहां उपस्थित लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर सड़क दुर्घटना में दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर यातायात पुलिस उपाधीक्षक भंवर जी चैधरी एवं आधार फाउंडेशन के सीईओ नारायण चैधरी ने आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाएं केवल एक व्यक्ति की जान नहीं लेतीं, बल्कि पूरे परिवार की खुशियां और भविष्य प्रभावित करती हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को यातायात नियमों का पालन अपनी जिम्मेदारी समझकर करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा की शपथ दिलाई तथा संकल्प दिलाया कि वे हमेशा यातायात नियमों का पालन करेंगे, दोपहिया वाहन पर चालक के साथ पीछे बैठने वाला व्यक्ति भी हेलमेट पहनेगा, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करेंगे तथा सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को देखकर आगे बढ़ने के बजाय तत्काल उसकी सहायता करेंगे। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद शुरुआती समय में मिलने वाली चिकित्सा सहायता किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड कल्पेश राजबार ने आश्वस्त किया कि सड़क दुर्घटना में घायल किसी भी व्यक्ति को चिकित्सा सहायता की आवश्यकता होने पर गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की ओर से यथासंभव त्वरित सहयोग एवं सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समय पर उपचार मिलने से किसी भी व्यक्ति की जान बचाई जा सके।

बरवाला के शनि मंदिर में गूंजे भक्ति के स्वर

मकराना (हुक्मनामा समाचार)। कार्तिक मास की पावन बेला में बरवाला स्थित शनि मंदिर में शनिवार की देर शाम तक श्रद्धा और भक्ति का मनमोहक नजारा देखने को मिला। जानकारी के अनुसार बरवाला गांव के शनिधाम मंदिर में दिन भर धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रही और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक इन कार्यक्रमों में भाग लेकर मंगल कामनाएं की। ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर मंदिर पहुंची महिलाओं ने मंगला आरती के समय भजन-गीतों से भगवान की आराधना की, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। प्रात:काल मंदिर में जैसे ही मंगला आरती शुरू हुई, महिलाओं के मधुर भजनों की स्वर लहरियों से वातावरण गूंज उठा। एक के बाद एक भजन प्रस्तुत किए गए। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी भजनों में साथ देकर आराधना में भाग लिया। कार्तिक मास में प्रात:काल स्नान, पूजा-पाठ और भजन-कीर्तन का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस मास में किया गया जप-तप और दान-पुण्य विशेष फलदायी होता है। इसी परंपरा को निभाते हुए महिलाएं प्रतिदिन प्रात: स्नान कर मंदिर पहुंच रही हैं और भजन-कीर्तन कर रही हैं। इस अवसर पर सत्यवान भार्गव ने बताया कि महिलाओं द्वारा भजन-गीतों के माध्यम से की गई यह आराधना हमारी धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का सुंदर प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ते हैं। मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कहा कि भजनों से मन को शांति मिलती है व सुबह की शुरुआत भक्ति के साथ होने से पूरा दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहता है। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया व क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। धार्मिक कार्यक्रमों के समापन पश्चात मंदिर प्रशासन की ओर से प्रसाद का वितरण किया गया।



पार्षद जीशान ने कहा गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं

मकराना (हुक्मनामा समाचार)। मकराना नगर परिषद के वार्ड संख्या 42 में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों को लेकर पार्षद जीशान गैसावत ने मौके पर पहुंचकर गहन निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों की गुणवत्ता, उपयोग हो रही सामग्री, सड़क की मोटाई, लेवल और कार्य की गति का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ठेकेदार और मौके पर मौजूद कर्मचारियों से एक-एक बिंदु पर जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। पार्षद गैसावत ने केवल चल रहे कार्यों का ही नहीं, बल्कि आगामी दिनों में शुरू होने वाले सड़क निर्माण कार्यों की तैयारियों का भी अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता और सरकारी मानकों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही, घटिया सामग्री का उपयोग या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों से कहा कि जहां-जहां सीवरेज के कनेक्शन की आवश्यकता है, वहां पहले लोगों के घरों के सीवरेज कनेक्शन किये जाने का कार्य पूरा किया जाए, ताकि सड़क बनने के बाद उसे दोबारा तोड़ने की नौबत न आए। साथ ही उन्होंने कहा कि निर्माण के दौरान वार्डवासियों को आवागमन में कम से कम परेशानी हो,



इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान पार्षद जीशान गैसावत ने कहा कि हमारा प्रयास है कि वार्ड 42 की प्रत्येक सड़क बेहतर, मजबूत और टिकाऊ बने। वार्डवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता है। सड़कें अच्छी होंगी तो लोगों का आवागमन सुगम होगा, व्यापार-व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा और वार्ड का समग्र विकास होगा। उन्होंने कहा कि वार्ड के विकास के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। सड़क, नाली, सफाई, पेयजल और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जा रहा है। जहां भी समस्या सामने आ रही है, वहां तत्काल कार्रवाई की जा रही है। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने भी अपनी समस्याएं पार्षद के समक्ष रखीं। लोगों ने कुछ स्थानों पर सड़क के साथ गंदगी की समस्या, पानी भराव और अधूरे कार्यों की ओर ध्यान दिलाया। पार्षद ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही अधिकारियों को उनके शीघ्र समाधान के लिये आग्रह किया। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि वार्ड में कोई भी कार्य अधूरा नहीं रहेगा। स्थानीय निवासियों ने पार्षद के निरीक्षण पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पार्षद स्वयं मौके पर आकर कार्यों की निगरानी कर रहे हैं, इससे कार्यों की गुणवत्ता बेहतर होगी और समय पर काम पूरा होगा। लोगों ने उम्मीद जताई कि वार्ड जल्द ही आदर्श वार्ड के रूप में विकसित होगा। निरीक्षण के दौरान वार्ड के कई गणमान्य नागरिक, समाजसेवी और स्थानीय निवासी भी मौजूद रहे।

राजस्थान से गुजरात तक पहुंची कन्यादान सेवा की खुशबू,श्रीमद भागवत प्रभात फेरी परिवार का कन्यादान रूपी पौधा बना वटवृक्ष

ब्यावर (हुक्मनामा समाचार)। सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकारों की मिसाल पेश कर रहेमद् भागवत प्रभात फेरी परिवार का 124वां कन्यादान कार्यक्रम श्रद्धा, उत्साह और भावनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर परिवार की ओर से 158वीं कन्या का मायरा भरकर उसे गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक सामग्री भेंट की गई। खास बात यह रही कि इस बार कन्या गुजरात के जामनगर से ब्यावर पहुंची, जिसका कन्यादान परिवार की ओर से करवाया गया। परिवार द्वारा पिछले 19 वर्षों से निरंतर कन्यादान सेवा का पुनीत कार्य किया जा रहा है। 19 वर्ष पूर्व सेवा भावना से लगाया गया पौधा आज विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है। परिवार की इस सेवा की खुशबू अब राजस्थान ही नहीं, बल्कि दूसरे राज्यों तक पहुंचने लगी है। गुजरात के जामनगर से कन्या का ब्यावर आकर इस सेवा से जुड़ना परिवार के निरंतर समर्पण और सामाजिक सरोकारों का प्रमाण बना। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक नरेंद्र सिंह, अरुण लखन, ब्यावर जिला व्यापार संघ उपाध्यक्ष नवल सुमानी, दिनेश सावलानी, महासचिव विजय लोंगानी, सह कोषाध्यक्ष शैलेंद्र कुमावत, सह सचिव किशोर साहू एवं नेमचंद सेन सहित व्यापार संघ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान परिवार के भजन गायकों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। नगर के बड़ी संख्या में नागरिकों एवं व्यापारियों ने भी उपस्थित होकर सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। अतिथियों नेमद् भागवत प्रभात फेरी परिवार द्वारा पिछले 19 वर्षों से किए जा रहे कन्यादान सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग करना मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अवसर पर परिवार की ओर से कन्या को गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए रसोई एवं गृहस्थी में उपयोग आने वाली आवश्यक सामग्री भेंट की गई। परिवार के संयोजक संजय घीया ने कहा कि पिछले 19 वर्षों से परिवार को राजस्थान के विभिन्न शहरों एवं क्षेत्रों में कन्यादान सेवा करने का अवसर मिल रहा है। यह पूरे परिवार के लिए गौरव का विषय है कि अब इस सेवा का विस्तार राजस्थान की सीमाओं से बाहर भी हो रहा है।



सड़क दुर्घटनाओं में दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि, सड़क सुरक्षा की शपथ ली

जिला परिवहन कार्यालय में वर्ल्ड रिमेम्बरेंस डे एवं राज्य सड़क सुरक्षा दिवस पर हुआ श्रद्धांजलि कार्यक्रम

शाहपुरा (हुक्मनामा समाचार)। जिला परिवहन कार्यालय में रविवार, 15 नवंबर 2026 को वर्ल्ड रिमेम्बरेंस डे एवं राज्य सड़क सुरक्षा दिवस के अवसर पर सड़क दुर्घटनाओं में हताहत हुए व्यक्तियों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला परिवहन कार्यालय के समस्त कर्मचारी एवं सुरक्षाकर्मी सहित कस्बे के गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ परिवहन निरीक्षक रामराज जी ने मोमबत्तियां प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात उपस्थित सभी सदस्यों ने पुष्पांजलि अर्पित कर दुर्घटनाओं में दिवंगत हुए लोगों को श्रद्धापूर्वक याद किया। इस अवसर पर कार्यालय के सूचना सहायक उमेश मीणा ने



सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने आमजन से यातायात नियमों की पालना करने, सावधानीपूर्वक वाहन चलाने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने सड़क सुरक्षा की शपथ ग्रहण की तथा यातायात नियमों की पालना कर स्वयं एवं दूसरों का जीवन सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

अवैध मादक पदार्थो के विरुद्ध गोगुंदा पुलिस की 24 घंटे के भीतर दो बड़ी कारवाई

उदयपुर (हुक्मनामा समाचार)। हुक्मनामा संवाददाता द्ध जिला पुलिस अधीक्षक डॉ अमृता दुहन द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आज नेशनल हाईवे 27 स्थित बायणमाता कट पर तेज रफ़्तार कार को रूकवाने का प्रयास किया परन्तु चालक कार को पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर पिण्डवाड़ा की तरफभगा ले गया !

पुलिस टीम ने तत्परता दिखते हुए सड़क पर स्टॉप स्टिक बिछाईए जिससे कार के टायर पंचर हो गए ! इसके बाद भी चालक कार को सर्विस रोड पर भगाता रहा और पुलिस का लगातार पीछा देखकर कार को मोड़ी रोड के पास सुनसान स्थान पर छोड़कर खेतों और पहाड़ियों की और भाग गया ! कार की तलाशी ली गई जिसमें 2 कट्टो में 48 किलो 730 ग्राम अवैध डोडा चुरा बरामद हुआ ।

दूसरी कारवाई में पुलिस को सूचना मिली की सेमटाल गांव के पास सुनसान इलाके में एक कार संदिग्ध और लावारिश हालत में खड़ी है ! गोगुन्दा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और कार की तलाशी लेने पर डिक्की के अंदर रखे 3 कट्टो में 45 किलो 72 0 ग्राम अवैध डोडा चुरा बरामद हुआ । दोनों कारवाई मुकुल शर्माए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकए मुख्यालयए छगन पुरोहित सर्किल इंस्पेक्टर गिर्वा के सुपरविज़न में प्रवीण सिंह थानाधिकारीए गोगुंदा एवं टीम द्वारा सम्पादित की गई ।

एस.डी. राजकीय महाविद्यालय ब्यावर में जनजातीय गौरव पखवाड़े का समापन

ब्यावर (हुक्मनामा समाचार)। एस.डी. राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर में दिनांक 1 नवंबर से 15 नवंबर तक आयोजित जनजातीय गौरव पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनजातीय समाज के महानायक, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उनके अद्वितीय संघर्ष, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक चेतना एवं जनजातीय अस्मिता के संरक्षण में दिए गए योगदान का स्मरण किया गया। साथ ही पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रेखा मंडोवरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस, स्वाभिमान और अदम्य संकल्प का प्रेरणादायी उदाहरण है।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का जिला महिला सम्मेलन सम्पन्न

ब्यावर (हुक्मनामा समाचार)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान विद्यालय शिक्षा जिला ब्यावर के तत्वावधान में जिला महिला सम्मेलन का आयोजन उदयपुर रोड स्थित आदर्श विद्या मंदिर के सभागार में उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलन, पूजा.अर्चना और प्रार्थना के साथ की गई। जिला उपाध्यक्ष सुप्रिया जोधा ने बताया कि सम्मेलन कुल तीन सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में सुप्रिया जोधा ने संगठनात्मक परिचय और रीति.नीति पर प्रकाश डालते हुए संगठन के उद्देश्यों, कार्यपद्धति और महिला कार्यकर्ताओं की भूमिका को रेखांकित किया। इस सत्र की अध्यक्षता कविता मौर्य ने की और संचालन शर्मिला त्रिपाठी ने किया। द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता इंदिरा शर्मा ने रानी पद्मावती के जीवन चरित्र तथा देश और धर्म की रक्षा के लिए उनके अद्वितीय बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि रानी पद्मावती का त्याग, साहस और स्वाभिमान आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। साथ ही उन्होंने राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। इस सत्र की अध्यक्षता सुनीता चौधरी ने की एवं संचालन गायत्री गुप्ता द्वारा किया गया।

बिरसा मुंडा के संघर्ष और बलिदान को किया याद

जनजातीय गौरव दिवस पर गूंजा जनजातीय संस्कृति और इतिहास का गौरव,जिला परिषद सभागार में हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

उदयपुर (हुक्मनामा समाचार)। जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के अतुलनीय योगदान को स्मरण करने के उद्देश्य से जनजातीय गौरव दिवस पर जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। जिला प्रशासन एवं जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के तत्वावधान में जिला परिषद सभागार में आयोजित समारोह में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण भी किया गया। जिला स्तरीय समारोह का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। मुख्य वक्ता शिक्षाविद् बालूदान चारण रहे। उपनिदेशक पर्यटन शिखा सक्सेना, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र यादव, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक दुर्गेश मेनारिया, हनुमान बंध विकास समिति के सचिव राजकरण यादव, लोक गायिका श्रेया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उपायुक्त टीएडी लतिका पालीवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता चारण ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए स्वतंत्रता संग्राम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष, साहस और समाज के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके विचार और आदर्श जनजातीय समाज की पहचान एवं गौरव को नई दिशा देने वाले हैं। इस अवसर पर लोक गायिका श्रेया ने मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास पर केंद्रित लोकगीत की प्रस्तुति देकर समारोह में सांस्कृतिक रंग भर दिए। उनकी प्रस्तुति के माध्यम से मेवाड़ की समृद्ध लोक परंपरा और ऐतिहासिक विरासत की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में टीआरआई के सांख्यिकी अधिकारी बनवारीलाल, अनिल पालीवाल सहित कई अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के



पदाधिकारी, टीएडी स्टाफ तथा जनजाति बालक-बालिकाएं उपस्थित रहे। संचालन संतोष व्यास एवं किरण भट्ट ने किया। इसी क्रम में जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर भी उपखंड अधिकारियों के निर्देशन में जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में भी राष्ट्रीय समारोह और प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया गया। समारोहों के माध्यम से जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यालय नगरपरिषद निम्बाहेड़ा, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक: नपनि/हस्ता./2026-27/4551-53 **आपत्ति सूचना** दिनांक : 22.09.2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद निम्बाहेड़ा को नाम हस्तान्तरण के निम्नांकित आवेदन प्राप्त हुए हैं।

क्र. सं.	आवेदन क्रमांक	मूल आवंटी/पट्टाधारी का नाम एवं भूखण्ड सं. साईज का विवरण	आवेदक/हस्तान्तरी का नाम भूखण्ड सं. साईज एवं कॉलोनी का विवरण
1	209186	श्रीमती प्रेरणा पत्नी श्री हर्ष खाजेड़ निवासी चिकारड़ा, तहसील डूंगला द्वारा आवासीय रूपान्तरीय भूखण्ड प्रेरणा विहार-2 पार्श्वनाथ नगर के पास ग्राम-ईशाकपुरा निम्बाहेड़ा आराजी नम्बर 682/127 लीज डीड संख्या 586/2021-22 दिनांक 18-11-2021 भूखण्ड संख्या 4 का भूखण्ड साईज 625 वर्गफीट का पट्टा जारी किया है।	श्री गोपाल नायक पुत्र श्री दिलीप नायक निवासी मकान नं. 23, सेमरडा जिला नीमच अन्य विक्रयता प्रेरणा विहार-2 पार्श्वनाथ नगर के पास ग्राम ईशाकपुरा निम्बाहेड़ा भूखण्ड संख्या 4 का भूखण्ड साईज 625 वर्गफीट क्रय कर हस्तान्तरण का आवेदन किया है।

उपरोक्त आवेदक द्वारा अपने भूखण्ड के चैन दस्तावेज प्रस्तुत कर हस्तान्तरण अपने नाम से किये जाने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। अतः इस संबंध में किसी आस-पड़ोस/परिवार जन या किसी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति हो तो पत्र सबूत के अन्दर मियाद 07 दिवस में नगर परिषद निम्बाहेड़ा में, कार्यालय दिवस में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद समयावधि कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी, और उपरोक्त आवेदक के पक्ष में हस्तान्तरण की कार्यवाही प्रस्तावित की जाकर हस्तान्तरण प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा। सूचित हो।

आयुक्त-नगर परिषद, निम्बाहेड़ा

उत्साह के साथ मनाया गया जनजाति गौरव दिवस

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में 'जनजाति गौरव दिवस' का जिला-स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशासनिक अधिकारी ओम प्रकाश वर्मा व सहायक सांख्यिकी अधिकारी धारासिंह मीणा ने दीप प्रज्ज्वलन और भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा चलाए गए 'उलगुलान' और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए दिए गए उनके अद्वितीय बलिदान को याद किया। इस अवसर पर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जनजाति गौरव दिवस' से संबंधित मुख्य कार्यक्रम के संबोधन का जीवंत प्रसारण (लाइव स्ट्रीमिंग) का प्रदर्शन किया गया, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने देखा।

उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जनजातीय गौरव दिवस, विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

बिरसा मुंडा आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक : प्रो. डॉ. रमेश चंद मीणा

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। महान क्रांतिकारी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को माय भारत केंद्र, बूंदी (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वावधान में बिबनवा रोड स्थित एक शिक्षण संस्थान में जनजातीय गौरव दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. रमेश चंद मीणा (पूर्व प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, हिंडोली) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में खेलकूद विकास समिति के अध्यक्ष शक्ति तोषनीवाल एवं यूथ आइकन दीपक शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान प्रबंधक डी.के. नागर ने की। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक गोविंद प्रजापत ने किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. रमेश चंद मीणा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक नाम नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक हैं। उन्होंने अल्पायु में ही अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनका जीवन साहस, संघर्ष और समाज के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। आज के युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि शक्ति तोषनीवाल ने कहा कि जनजातीय समाज का देश की संस्कृति, परंपराओं और स्वतंत्रता आंदोलन में अमूल्य योगदान रहा है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और गौरवशाली इतिहास से जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि खेलों के साथ संस्कार भी युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। यूथ आइकन दीपक शर्मा ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आज का युवा ही देश का भविष्य है। भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अपने संघर्ष और साहस से इतिहास रच दिया। युवाओं को भी नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों के माध्यम से



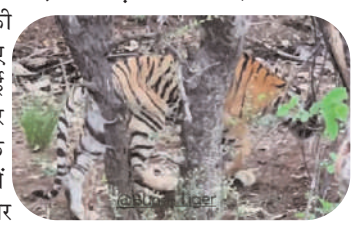
अपने गांव, समाज और देश का नाम रोशन करना चाहिए। माय भारत युवाओं को अपनी प्रतिभा और क्षमता प्रदर्शित करने का बेहतर मंच प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान प्रबंधक डी.के. नागर ने कहा कि संस्थान बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। जनजातीय गौरव दिवस मनाने का उद्देश्य विद्यार्थियों में महापुरुषों के प्रति सम्मान, देशभक्ति और सामाजिक चेतना की भावना विकसित करना है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। अंत में कार्यक्रम संयोजक गोविंद प्रजापत ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में माय भारत केंद्र के बलराम सैनी, नंदलाल सैनी, महावीर धाकड़ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं युवा उपस्थित रहे।

छोटीखाटू में माली समाज का 20वां प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, 101 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

छोटीखाटू (हुक्मनामा समाचार)। शहर के माली समाज भवन में माली समाज का 20वां प्रतिभा सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षा, खेल, सरकारी सेवा एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली लगभग 101 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती, महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। श्याम बाल उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। समारोह में अखिल भारतीय माली सेवा सदन संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण भाटी, रामकरण सैनी, प्रो. बीआर मिर्धा राजकीय महाविद्यालय के डॉ. लाखाराम भाटी, सुनील भाटी, तहसीलदार विशनाराम माली, ललिता बंशीधर सिंगरावट, एडवोकेट सुखदेव भाटी एवं डॉ. अर्जुनराम सांखला सहित अतिथियों का माला, साफा एवं स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया। अतिथियों ने शिक्षा के साथ माता-पिता की सेवा, बालिका शिक्षा, खेलकूद एवं संस्कारों पर जोर देते हुए युवाओं को मोबाइल का सीमित उपयोग करने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरित किया। सरकारी सेवाओं, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, खेल, नीट, आईआईटी, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समाजसेवा में योगदान देने वाले आठ समाजसेवियों का भी अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के सौजन्यकर्ता गुलाबचंद मारोठिया, कमलकिशोर मारोठिया, लक्ष्मण मारोठिया एवं सुनील मारोठिया का अतिथियों एवं समाज पदाधिकारियों ने साफा व माला पहनाकर सम्मान किया। छात्राओं ने देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत कर तालियां बटोरीं। मंच संचालन भंवरलाल टाक, मूलचंद जादम एवं सत्यनारायण कच्छावा ने किया। समारोह में विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

रामगढ़ के जंगल में दिखी बघेरे की सुनहरी आभा, पर्यटकों का रोमांच बढ़ा

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के जंगलों में वन्यजीवों की मौजूदगी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। शनिवार सुबह जोन नंबर एक में जिप्सी सफारी के दौरान गुमान बावड़ी क्षेत्र में पर्यटकों को बघेरे का दीदार हुआ। जंगल के प्राकृतिक परिवेश में बघेरे की सुनहरी आभा और उसकी मनमोहक झलक ने पर्यटकों की सफारी को यादगार बना दिया। बूंदी के सेवानिवृत्त शिक्षा अधिकारी अनिल गुप्ता (भंडारी) अपनी पत्नी इंदु भंडारी, बैंक ऑफ अमेरिका में मैनेजर पुत्र अधीश भंडारी, पुत्रवधू रितिका भंडारी तथा एसेंचर में मैनेजर बेटी श्रद्धा भंडारी के साथ टाइगर रिजर्व की सैर पर पहुंचे थे। इसी दौरान गुमान बावड़ी क्षेत्र में उन्हें बघेरा नजर आया। खास बात यह रही कि दूसरी जिप्सी में सवार गुजरात से आए पर्यटकों को भी बघेरे को करीब से देखने का अवसर मिला। वन्यजीव पर्यटन की नई संभावनाएं गौरतलब है कि रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व वन्यजीव पर्यटन के उभरते केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। वर्तमान में यहां पर्यटकों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, लेकिन बाघों और बघेरों की लगातार साइटिंग पर्यटकों के आकर्षण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जंगल की समृद्ध जैव विविधता, प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों की मौजूदगी रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व को पर्यटन की दृष्टि से विशेष पहचान दिलाने की क्षमता रखती है।



किसानों की गुहार... हमारी भी सुनो सरकार, बिजली की आंख मिचौली से रबी की फसल पर मंडराया संकट

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। खेती-किसानी के सबसे महत्वपूर्ण समय में बिजली विभाग की लापरवाही किसानों पर भारी पड़ रही है। गाडरमाला ग्रिड से निकलने वाले चावडेरी फीडर पर पिछले कई दिनों से बार-बार बिजली गुल होने और ट्रिपिंग की समस्या ने किसानों की नींद उड़ा दी है। सिंचाई के लिए जब खेतों को पानी की सबसे ज्यादा जरूरत है, उस समय बिजली की आंख मिचौली ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कभी बिजली आती है तो कुछ ही मिनटों में फिर गुल हो जाती है। ऐसे में किसान सुबह से लेकर देर रात तक खेतों में बिजली आने का इंतजार करने को मजबूर हैं। किसानों ने व्यथित होकर सरकार से गुहार लगाई है कि उनकी समस्या भी सुनी जाए, क्योंकि समय पर सिंचाई नहीं होने से रबी की फसलों पर संकट मंडराने लगा है। किसानों का कहना है कि इस समस्या को लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा कुछ हाथ नहीं लगा। कभी अधिक लोड होने, कभी तारों में फॉल्ट तो कभी ट्रांसफार्मर में खराबी का हवाला देकर जिम्मेदारी पूरी कर ली जाती है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा। गाडरमाला ग्रिड से जुड़े गांवों में बड़ी संख्या में किसान खेती पर निर्भर हैं। अधिकांश किसानों के लिए सिंचाई का प्रमुख साधन ट्यूबवेल और कुओं पर लगी बिजली से चलने वाली मोटरें हैं। बिजली आपूर्ति बाधित होने से



खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है।

वर्तमान में रबी सीजन की बुवाई और फसलों की शुरुआती सिंचाई का महत्वपूर्ण समय चल रहा है। गेहूं, सरसों, चना, जौ और सब्जियों की फसलों को समय पर पानी देना जरूरी है। किसानों का कहना है कि बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण खेतों में सिंचाई प्रभावित हो रही है। समय पर पानी नहीं मिलने से फसलों के अंकुरण पर असर पड़ रहा है और कई जगह उग चुकी फसलें भी पीली पड़ने लगी हैं। यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों ने बताया कि छह घंटे की निर्धारित बिजली आपूर्ति के दौरान भी दिन में 15 से 20 बार तक ट्रिपिंग हो रही है। कई बार एक घंटे में ही चार से दस बार बिजली बंद हो जाती है।

शहर की सफाई और अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त, कलेक्टर-सभापति ने किया औचक निरीक्षण

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने, अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन एवं नगर परिषद ने सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। इसी के तहत रविवार को जिला कलेक्टर हरफूल सिंह यादव और नगर परिषद सभापति भरत शर्मा ने शहर के प्रमुख मार्गों का औचक निरीक्षण कर सफाई एवं अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया। मीडिया प्रभारी अभिषेक जैन ने बताया कि जिला कलेक्टर और सभापति ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय से नैनवां रोड चौराहे तक पूरे मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क किनारे और नालियों के ऊपर दुकानदारों द्वारा किए गए अस्थाई अतिक्रमण को देखकर अधिकारियों ने नाराजगी जताई। उन्होंने दुकानदारों से समझाइश करते हुए स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की अपील की। साथ ही प्रत्येक दुकान पर कचरा पात्र रखने और आसपास सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। सब्जी मंडी पहुंचकर व्यापारियों से किया संवाद निरीक्षण के दौरान अधिकारी बहादुर सिंह सर्किल स्थित सब्जी मंडी भी पहुंचे। यहां उन्होंने मंडी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। प्रशासन की ओर से दुकानदारों को आश्वस्त किया गया कि उन्हें जल्द ही व्यवस्थित रूप से दुकानों का आवंटन किया जाएगा। इसके अलावा सब्जी मंडी के मुख्य द्वार और बाहर सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से खड़े रहने वाले हाथ ठेला चालकों को भी समझाइश दी गई। अधिकारियों ने उन्हें यातायात में बाधा उत्पन्न नहीं करने तथा निर्धारित स्थान पर ही ठेले लगाने के निर्देश दिए। प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य शहर के प्रमुख मार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाना, सफाई व्यवस्था में सुधार करना और आमजन के लिए सुगम आवागमन सुनिश्चित करना है।

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ व्रतियों ने की सुख-समृद्धि की कामना

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। लोक आस्था, सूर्य उपासना और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महापर्व छठ रविवार को वस्त्रनगरी भीलवाड़ा में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। चार दिवसीय छठ महापर्व के तीसरे दिन व्रतधारी महिलाओं और पुरुषों ने अस्ताचलगामी सूर्य को विधि-विधान के साथ अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान शहर के मानसरोवर झील, वॉटर वर्क्स सहित आधा दर्जन स्थानों पर छठ पूजा के कार्यक्रम आयोजित किए गए। शाम होते ही पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण छठी मैया के जयकारों, लोकगीतों तथा भक्तिमय माहौल से सराबोर हो गया। छठ महापर्व के अवसर पर मानसरोवर झील पर आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम महापौर जसवंत कंवर एवं क्षेत्रीय पार्षद भी उपस्थित रहे। उन्होंने छठ पूजा में शामिल होकर श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह में सहभागिता निभाई। इस दौरान उन्होंने छठ व्रतियों को पर्व की शुभकामनाएं दीं। जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी से आयोजन में सामाजिक सहभागिता और उत्साह का माहौल देखने को मिला। छठ पर्व को लेकर सुबह से ही व्रतधारी परिवारों में विशेष उत्साह देखने को मिला। घरों में पारंपरिक तरीके से पूजा की तैयारियां की गईं। महिलाओं ने छठी मैया के पूजन के लिए बांस की टोकरी और सूप में मौसमी फल, गन्ना, नारियल, केला, ठेकुआ सहित विभिन्न पारंपरिक प्रसाद सजाए। इसके बाद परिवार के सदस्यों के साथ श्रद्धालु पूजा स्थलों की ओर रवाना हुए। कई परिवार सिर पर पूजा सामग्री से भरे दउरा और सूप लेकर घाटों तक पहुंचे। महिलाओं के पारंपरिक परिधान और छठ पूजा की विशेष सजावट ने पूरे आयोजन को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया।

बाल विवाह के खिलाफ बच्चों ने भरी जागरूकता की हुंकार,सुरक्षित बचपन और शिक्षा का लिया संकल्प

भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। बाल दिवस के अवसर पर 100 दिवसीय बाल विवाह रोकथाम अभियान के तहत जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग, भीलवाड़ा तथा नीति आयोग के आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत एसोसिएशन फॉर वॉलेंट्री एक्शन (ङ्क) की ओर से एवरेस्ट शेल्टर होम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए शिक्षा, सुरक्षा, समानता और बाल अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों को बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प भी दिलाया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक धर्मराज प्रतिहार ने बताया कि भारत सरकार की ओर से बाल विवाह की रोकथाम के लिए 100 दिवसीय विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत जिलेभर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को बाल विवाह के दुष्परिणामों और इसकी रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में बाधा उत्पन्न करता है। कम उम्र में विवाह होने से बच्चों की शिक्षा प्रभावित होती है तथा उनके स्वास्थ्य, व्यक्तित्व विकास और उज्ज्वल भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है।



कार्यकर्ताओं और आमजन की दुआओं से आज इस मंजिल पर पहुंचा हूं : हरिमोहन शर्मा

बूंदी (हुक्मनामा समाचार)। उम्र के 88वें पड़ाव पर भी जनसेवा का जज्बा, लोगों के बीच सक्रियता और बूंदी के विकास का संकल्प। बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा का 88वां जन्मदिन रविवार को कुछ इसी अंदाज में उत्साह, आत्मीयता और सेवा भावना के साथ मनाया गया। जन्मदिन के मौके पर जहां समर्थकों और शुभचिंतकों ने उनके प्रति अपना स्नेह और सम्मान व्यक्त किया, वहीं विधायक शर्मा ने भी अपने इस खास दिन की शुरुआत सेवा और सामाजिक सरोकारों के साथ कर एक संदेश दिया। जन्मदिन की शुरुआत विधायक शर्मा ने सपरिवार नैनवां रोड स्थित बड़ा रामद्वारा गौशाला पहुंचकर की। यहां उन्होंने गौ माता का पूजन कर एक ट्रॉली हरा चारा और लड्डू खिलाए। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता निभाई। इसके बाद सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जनता का प्यार और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी इस अवसर पर विधायक हरिमोहन शर्मा ने भावुक अंदाज में कहा कि कार्यकर्ताओं और आमजन की दुआओं की बदौलत ही वे आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं।

पंचायत चुनाव में कांग्रेस का पलड़ा कहां भारी, बाड़ाबंदी के बीच डोटासरा करेंगे दो दिवसीय महामंथन

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। प्रदेश में चार चरणों में पंचायत चुनाव का मतदान संपन्न हो गया है. मतदान खत्म होते ही अब सियासी हलचल तेज हो गई है. एक तरफ भाजपा और कांग्रेस अपने-अपने समर्थित सदस्यों को एकजुट रखने के लिए बाड़ाबंदी की रणनीति में जुट गई हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस ने चुनावी नतीजों का आकलन शुरू कर दिया है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पंचायत चुनाव को लेकर पार्टी के भीतर बड़े स्तर पर मंथन की तैयारी की है. इसके लिए 17 और 18 नवंबर को लगातार दो दिन कांग्रेस वॉर रूम में प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें हार-जीत के कारणों और संगठन की मजबूती पर चर्चा होगी. 200 पर्यवेक्षकों से वन-टू-वन लेंगे फीडबैक: बैठक में प्रदेशभर के सभी 200 पर्यवेक्षकों और जिला प्रभारियों को बुलाया गया है. डोटासरा खुद एक-एक पर्यवेक्षक और जिला प्रभारी से वन-टू-वन बातचीत कर पंचायत चुनाव का फीडबैक लेंगे. पार्टी ने सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की पूरी जमीनी रिपोर्ट और चुनावी नतीजों का विस्तृत विश्लेषण लेकर आएं. बैठक में केवल जीत और हार के आंकड़ों पर ही चर्चा नहीं होगी, बल्कि यह भी पड़ताल की जाएगी कि आखिर किन कारणों से कांग्रेस को किन क्षेत्रों में सफलता मिली और कहां पार्टी को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाए.किस जिले में कांग्रेस मजबूत, कहां भाजपा ने मारी बाजी: पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस की इस कवायद का सबसे बड़ा मकसद यह पता लगाना है कि पंचायत चुनाव में पार्टी का पलड़ा आखिर कहां भारी रहा, किन जिला परिषदों और पंचायत समितियों में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया और किन क्षेत्रों में भाजपा ने मजबूत स्थिति बनाई. पर्यवेक्षकों से क्षेत्रवार चुनावी स्थिति, प्रत्याशियों की जीत-हार के अंतर, स्थानीय समीकरणों और संगठन की सक्रियता की जानकारी ली जाएगी. कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व यह भी जानना चाहता है कि किन क्षेत्रों में पार्टी के उम्मीदवारों को स्थानीय नेताओं के प्रभाव का फायदा मिला और कहां नेताओं की आपसी खींचतान और गुटबाजी ने चुनावी संभावनाओं को प्रभावित किया. इसके अलावा निर्दलीय प्रत्याशियों की भूमिका और स्थानीय स्तर पर बने राजनीतिक समीकरणों पर भी चर्चा की जाएगी. बाड़ाबंदी के बीच जिला प्रमुख और प्रधान की कुर्सी पर नजर: डोटासरा पर्यवेक्षकों से यह भी जानकारी लेंगे कि किन जिलों में कांग्रेस की स्थिति मजबूत है, कहां बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने की संभावना है और किन जगहों पर अतिरिक्त समर्थन की जरूरत पड़ सकती है. बाड़ाबंदी के बीच पार्टी अपने निर्वाचित सदस्यों को एकजुट रखने और स्थानीय स्तर पर रणनीतिक तालमेल बनाने पर भी ध्यान देगी.संगठन की ताकत और नेताओं की भूमिका का भी होगा आकलन:दो दिवसीय बैठक में पंचायत चुनाव के दौरान कांग्रेस संगठन की सक्रियता भी समीक्षा के केंद्र में रहेगी. बूथ स्तर से लेकर ब्लॉक और जिला स्तर तक संगठन ने कितनी मजबूती से काम किया, स्थानीय नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने कितनी सक्रिय भूमिका निभाई तथा प्रत्याशियों के पक्ष में कितना प्रभावी चुनाव प्रचार हुआ, इन सभी पहलुओं पर रिपोर्ट ली जाएगी. पर्यवेक्षकों से स्थानीय स्तर पर सामने आई शिकायतों और कार्यकर्ताओं की नाराजगी का फीडबैक भी लिया जा सकता है.डोटासरा के लिए सियासी ताकत का लिटमस टेस्ट: राजनीतिक विश्लेषक योगेश शर्मा का मानना है कि दो दिन तक चलने वाला यह महामंथन प्रदेश कांग्रेस



अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के लिए भी अहम माना जा रहा है. पंचायत चुनाव के नतीजे प्रदेश में कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और संगठन की जमीनी पकड़ का संकेत देंगे. बैठक में मिलने वाले फीडबैक से यह भी साफ होगा कि आगामी राजनीतिक लड़ाई के लिए पार्टी को किन क्षेत्रों में अपनी रणनीति बदलने और संगठन को मजबूत करने की जरूरत है.कुल मिलाकर पंचायत चुनाव के बाद कांग्रेस अब केवल जीत-हार का हिसाब नहीं लगा रही, बल्कि जिला प्रमुख और प्रधान की कुर्सियों के लिए अपनी राजनीतिक संभावनाएं भी तलाश रही है. 17 और 18 नवंबर को होने वाला यह महामंथन तय करेगा कि पंचायत चुनाव में कांग्रेस का पलड़ा किन क्षेत्रों में भारी रहा और आगे की सियासी लड़ाई के लिए पार्टी के सामने क्या चुनौतियां हैं. पंचायत चुनाव में कांग्रेस बनाएगी बढ़त: वहीं, इस मामले में पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का कहना है कि पंचायत चुनाव को लेकर पर्यवेक्षकों से जमीनी फीडबैक लेंगे. पर्यवेक्षकों को पूरी तैयारी के साथ आने को कहा गया है. पंचायत चुनाव में कांग्रेस बढ़त बनाएगी.

पंचायती राज चुनाव के नतीजों को लेकर भाजपा ने किया मंथन,विधानसभा वार संगठन की ताकत का लिया जायजा



भीलवाड़ा (हुक्मनामा समाचार)। पंचायती राज चुनाव संपन्न होने के बाद चुनावी परिणामों, मतदान के आंकड़ों और संगठनात्मक प्रदर्शन की समीक्षा को लेकर भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न पंचायत समितियों एवं जिला परिषद क्षेत्रों में हुए मतदान, चुनावी परिस्थितियों और विधानसभा वार संगठन की स्थिति को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। साथ ही आगामी मतगणना की तैयारियों, मतगणना अभिकर्ताओं की नियुक्ति और चुनाव परिणामों पर निगरानी रखने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। बैठक में जिला चुनाव प्रभारी वीरमदेव सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, आसींद विधायक जबर सिंह सांखला, मांडल विधायक उदयलाल भड़ाणा, सहाड़ा विधायक लादूलाल पितलिया सहित जिले की सभी विधानसभाओं के 16 प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में विधानसभा वार चुनावी स्थिति की समीक्षा करते हुए प्रत्येक क्षेत्र में हुए मतदान का विस्तृत आकलन किया गया। विभिन्न पंचायत समितियों एवं जिला परिषद क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत, बूथ स्तर पर पार्टी की स्थिति, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, चुनावी प्रबंधन और संगठनात्मक समन्वय को लेकर विधानसभा प्रभारियों से जानकारी ली गई।

तीन साल के कार्यकाल में योजनाओं की मॉनिटरिंग को बनाया प्राथमिकता

योजनाओं की घोषणा नहीं, धरातल पर लाभ पहुंचाना है असली सुशासन...

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बदली सरकारी कामकाज की कार्यशैली

आमजन तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता बन रही सरकार की पहचान



मुख्यमंत्री खुद ले रहे हैं विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। लोकतंत्र में किसी भी सरकार की सफलता का आकलन केवल इस बात से नहीं होता कि उसने अपने कार्यकाल में कितनी योजनाओं की घोषणा की, कितने नए कार्यक्रम शुरू किए या कितने बड़े-बड़े वादे किए। सरकार की वास्तविक सफलता इस बात में छिपी होती है कि उसकी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंचा। सरकारी फाइलों में दर्ज उपलब्धियां तभी सार्थक होती हैं, जब उनका सकारात्मक असर आम आदमी के जीवन में दिखाई दे। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के कामकाज को इसी कसौटी पर देखने की जरूरत है। सरकार के तीन वर्ष पूरे होने की ओर बढ़ते इस दौर में एक बात विशेष रूप से चर्चा में है कि मुख्यमंत्री स्वयं सरकारी योजनाओं की प्रगति, उनके क्रियान्वयन और आमजन को मिल रहे लाभ को लेकर सक्रिय नजर आते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली में सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह दिखाई देता है कि वे योजनाओं की शुरुआत को ही अंतिम उपलब्धि नहीं मानते, बल्कि उनके परिणामों पर भी ध्यान देते हैं। बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, युवाओं के रोजगार, किसानों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को लेकर सरकार की प्राथमिकता केवल बजट आवंटन अथवा प्रशासनिक आदेश जारी करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचे, पात्र परिवार किसी तकनीकी अथवा प्रशासनिक अड़चन के कारण वंचित न रहे और सरकारी व्यवस्था में जवाबदेही बनी रहे, यही सुशासन का वास्तविक अर्थ है।

प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली से मिली प्रेरणा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कई अवसरों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और कार्यशैली से प्रेरणा मिलने की बात कह चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली में समयबद्ध लक्ष्य, योजनाओं की निगरानी, तकनीक का उपयोग और परिणाम आधारित प्रशासन को विशेष महत्व दिया जाता है। इसी सोच का प्रभाव राज्य सरकार की कार्यप्रणाली में भी दिखाई देना चाहिए। मुख्यमंत्री के लिए यह आवश्यक है कि वे केवल विभागों की बैठकों तक सीमित न रहें, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था को इस तरह सक्रिय रखें कि प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय हो। अधिकारियों को यह स्पष्ट संदेश मिले कि सरकार की प्राथमिकता आमजन को राहत पहुंचाना है और इसमें किसी तरह की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री का समय देना, योजनाओं की समीक्षा करना और अधिकारियों से प्रगति की जानकारी लेना प्रशासनिक व्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया की असली सफलता तभी मानी जाएगी, जब समीक्षा के बाद सामने आने वाली कमियों का समाधान भी समयबद्ध तरीके से हो।

केंद्र और राज्य की योजनाओं का समन्वय बना विकास का आधार

राजस्थान में केंद्र सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं भी संचालित हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण परिवारों और मध्यम वर्ग के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। दूसरी ओर राज्य सरकार भी अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रही है। ऐसे में राज्य सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। केंद्र की योजनाओं का लाभ राजस्थान के पात्र नागरिकों तक पहुंचाना, राज्य की योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करना और दोनों स्तरों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना किसी भी मुख्यमंत्री के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस दिशा में प्रशासनिक समन्वय और योजनाओं की प्रगति को प्राथमिकता दे रहे हैं। बिजली और ऊर्जा के क्षेत्र में आमजन को राहत देने के प्रयास हों, पेयजल से जुड़ी परियोजनाएं हों, किसानों के हितों से जुड़े कार्यक्रम हों अथवा युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसरों का विस्तार, इन सभी क्षेत्रों में सरकार की कार्यशैली का मूल्यांकन उनके वास्तविक परिणामों से ही होगा।

सामान्य परिवार से आने का अनुभव, आमजन की जरूरतों की समझ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का राजनीतिक और सामाजिक सफर भी उनकी कार्यशैली को समझने का एक महत्वपूर्ण आधार है। वे एक सामान्य परिवार से आते हैं और संगठन के विभिन्न स्तरों पर काम करते हुए मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे हैं। इसलिए आम परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतों, आर्थिक चुनौतियों और सरकारी सहायता के महत्व को समझना उनके लिए केवल प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार का विषय भी है। एक गरीब परिवार के लिए बिजली बिल में राहत, घर तक पानी पहुंचना, बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलना, युवा को रोजगार का अवसर मिलना अथवा किसान को समय पर सरकारी सहायता मिलना बहुत बड़ी बात होती है। कई बार किसी परिवार की आर्थिक स्थिति में छोटा-सा सरकारी सहयोग भी बड़ा बदलाव ला सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि सरकार की ओर से घोषित प्रत्येक सुविधा वास्तविक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री की सक्रियता का महत्व इसी बात में है कि वे योजनाओं को आमजन के जीवन में बदलाव लाने का माध्यम बनाने पर जोर देते दिखाई देते हैं। सरकार की योजनाओं की उपयोगिता तभी सिद्ध होगी, जब प्रदेश का सामान्य नागरिक यह महसूस करे कि शासन उसकी समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर है।

राजनीतिक विरासत से अलग अपनी पहचान बनाने की चुनौती : राजस्थान की राजनीति में पिछले लगभग ढाई दशकों तक अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे दो प्रमुख मुख्यमंत्री चेहरों के रूप में रहे हैं। दोनों नेताओं का प्रदेश की राजनीति और प्रशासन पर गहरा प्रभाव रहा है। ऐसे राजनीतिक परिदृश्य में भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2023 में एक नए चेहरे के रूप में पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी। यह निर्णय अपने आप में राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था। संगठन में लंबे समय तक काम करने वाले एक कार्यकर्ता को प्रदेश की सबसे बड़ी जिम्मेदारी देना भाजपा की संगठनात्मक राजनीति का भी संदेश था। मुख्यमंत्री बनने के बाद भजनलाल शर्मा के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी अपनी अलग प्रशासनिक और राजनीतिक पहचान स्थापित करना। तीन वर्ष के करीब पहुंचते कार्यकाल में उन्होंने अपनी कार्यशैली के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया है कि सरकार की प्राथमिकता योजनाओं को गति देना, विकास कार्यों को आगे बढ़ाना और आमजन से जुड़े विषयों पर सक्रिय रहना है। किसी भी नए मुख्यमंत्री के लिए यह सफर आसान नहीं होता, क्योंकि जनता की अपेक्षाएं बहुत अधिक होती हैं और हर निर्णय का आकलन राजनीतिक एवं प्रशासनिक दोनों स्तरों पर होता है। सरकार की उपलब्धियों की चर्चा के साथ उन चुनौतियों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जिनका सामना राजस्थान को करना पड़ रहा है। योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचाना, ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं की गुणवत्ता सुधारना, बेरोजगारी की चुनौती से निपटना, पेयजल की स्थायी व्यवस्था करना और स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना लगातार प्रयास मांगता है। मुख्यमंत्री की सक्रियता तभी स्थायी परिणाम दे पाएगी, जब जिला प्रशासन से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक जवाबदेही सुनिश्चित हो।

योजनाओं की सफलता का असली पैमाना है अंतिम व्यक्ति तक लाभ

राजस्थान जैसे विशाल भौगोलिक क्षेत्र और विविध सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों वाले प्रदेश में सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना आसान काम नहीं है। प्रदेश के दूरदराज के गांवों से लेकर बड़े शहरों तक जरूरतें अलग-अलग हैं। कहीं पेयजल की समस्या है, कहीं बिजली की उपलब्धता चुनौती है, तो कहीं युवाओं को रोजगार और किसानों को सरकारी सहायता की आवश्यकता है। ऐसे में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि योजनाओं का लाभ केवल कागजों तक सीमित न रहे। अक्सर देखा गया है कि सरकारें अच्छी योजनाएं बनाती हैं, उनके शुभारंभ भी बड़े स्तर पर होते हैं, लेकिन कुछ समय बाद उनकी नियमित निगरानी कमजोर पड़ जाती है। विभागीय अधिकारी अपने स्तर पर काम करते रहते हैं, योजनाओं की प्रगति की रिपोर्ट भी तैयार होती रहती है, लेकिन कई बार वास्तविक लाभार्थी की समस्या उच्च स्तर तक पहुंच ही नहीं पाती। परिणामस्वरूप पात्र व्यक्ति सरकारी सुविधा से वंचित रह जाता है। यहीं पर मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत सक्रियता और नियमित मॉनिटरिंग महत्वपूर्ण हो जाती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली का एक प्रमुख पक्ष यह है कि वे योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके परिणामों को लेकर अधिकारियों से जवाबदेही चाहते हैं। इसका संदेश प्रशासनिक तंत्र तक स्पष्ट रूप से जाता है कि केवल आदेश जारी कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका परिणाम भी दिखाई देना चाहिए।

पूर्ववर्ती सरकारों की योजनाओं से सीखने की जरूरत

राजस्थान का राजनीतिक इतिहास देखें तो पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में भी कई महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू हुईं। दोनों नेताओं ने अपने-अपने कार्यकाल में जनता से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी। कई योजनाओं ने प्रदेश के लोगों को राहत भी पहुंचाई और उनका सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिला। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि पूर्ववर्ती सरकारों की योजनाएं अच्छी नहीं थीं। वास्तव में किसी भी सरकार की योजनाओं का मूल्यांकन उसके उद्देश्य, क्रियान्वयन और परिणामों के आधार पर होना चाहिए। हालांकि, शासन व्यवस्था में एक बड़ी चुनौती हमेशा बनी रही है कि योजनाओं की शुरुआत के बाद उनकी निरंतर निगरानी किस तरह सुनिश्चित की जाए। किसी भी योजना के सामने सबसे बड़ा खतरा यही होता है कि समय बीतने के साथ उसका उत्साह और प्रशासनिक प्राथमिकता कम हो जाए। मुख्यमंत्री बदल सकते हैं, सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन जनकल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता और प्रभावी क्रियान्वयन बना रहना चाहिए। भजनलाल शर्मा सरकार के सामने भी यही अवसर है कि वह योजनाओं की मॉनिटरिंग को अपनी प्रशासनिक पहचान बनाए। यदि मुख्यमंत्री स्तर पर नियमित समीक्षा, विभागीय जवाबदेही और लाभार्थियों से सीधा फीडबैक लेने की व्यवस्था मजबूत होती है तो इससे सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता में निश्चित रूप से सुधार आ सकता है।

ऑपरेशन त्रिनेत्रः हिस्ट्रीशीटर वसीम खान की 1.25 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

प्रतापगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। जिला पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत हिस्ट्रीशीटर वसीम खान की करीब 1 करोड़ 25 लाख रुपये की संपत्ति फ्रीज की है। इसमें गांव देवल्दी स्थित आलीशान मकान, एक केटा कार और जॉन डियर ट्रैक्टर शामिल हैं।पुलिस अधीक्षक विशाल जांगिड़ के निर्देशन में थाना अरनोद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ(1) के तहत प्रस्ताव सक्षम प्राधिकारी, सफेमा नई दिल्ली को भेजा था। 13 नवंबर को फ्रीजिंग आदेश अनुमोदित होने के बाद 15 नवंबर को संपत्तियों पर कार्रवाई की गई।

रामसिंहपुर रेलवे ट्रैक बम विस्फोट मामले में दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार,

पाकिस्तानी हैंडलर से जुड़े तार

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। श्रीगंगानगर के रामसिंहपुर थाना क्षेत्र में 3 नवंबर को रेलवे ट्रैक पर हुए बम विस्फोट मामले में राजस्थान एटीएस और श्रीगंगानगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब के गुरदासपुर से दो आरोपियों महकदीप कौर और देवेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो विदेशी पिस्टल, 46 जिंदा कारतूस और वारदात के लिए मिले 30 हजार रुपये बरामद किए हैं। डीजीपी राजीव शर्मा और एडीजी दिनेश एमएन के निर्देशन में काउंटर इंटेलिजेंस पंजाब के सहयोग से संयुक्त कार्रवाई की गई।

प्रारंभिक जांच में मुख्य आरोपी महकदीप कौर के पाकिस्तानी हैंडलर 'शाह' और पाकिस्तान में 'चाचा' नाम से पहचाने जाने वाले व्यक्ति के संपर्क में होने की जानकारी सामने आई है।जांच के अनुसार आरोपियों ने अक्टूबर में भी रेलवे ट्रैक पर विस्फोट की योजना बनाई थी, लेकिन बम उपलब्ध नहीं होने और बाद में



तकनीकी खामी के कारण प्रयास सफल नहीं हुए। अंततः 3 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे टाइमर बम से विस्फोट किया गया। पुलिस को ऑनलाइन भुगतान और सोशल मीडिया संपर्कों के जरिए साजिश के तार जोड़ने के संकेत मिले हैं।

बाजी मारने की तैयारी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निकाय चुनाव के बाद पालिका चुनाव में भी बाजी मारने के लिए पूरी तैयारी कर ली है ज्यादा से ज्यादा प्रधान और प्रमुख बनने के लिए साम दाम दंड भेद का उपयोग किया जाएगा इसके लिए पर्याप्त समय रखा गया है इतने समय बाडा बंदी करना विपक्ष के किसी दावेदार के बस में नहीं है इसलिए जमकर हॉर्स ट्रेडिंग होगी। चुनाव में बस यही देखना है कि जिला परिषद और पंचायत प्रतिनिधि कांग्रेस के ज्यादा आते हैं या नहीं।

जश्न की तैयारी।

सरकार के 3 वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर व्यापक और यादगार समारोह की तैयारी शुरू हो गई है दिल्ली से डेपुटेशन खत्म कर लौटे आईएएस अधिकारी गौरव गोयल को इसका जुम्मा सौंप दिया गया है वे डायनेमिक भी है और नए प्रयोग भी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री की इच्छा है कि वर्षगांठ के कार्यक्रमो की गूंज दिल्ली तक पहुंचे और ज्यादा से ज्यादा प्रदेशवासियों की इसमें भागीदारी हो।

तूफान से पहले की शांति।

वरिष्ठ अधिकारी शिखर अग्रवाल को फसाने में कुछ अधिकारियों का ही योगदान बताया जा रहा है अब अग्रवाल छुट्टियों से लौटकर डी ओ पी मैं पद भार संभाल चुके हैं। और स्थिति कंट्रोल करने के साथ कुछ अधिकारियों की फाइल निपटाने के काम में भी लग गए हैं इनमें कुछ वर्तमान और कुछ निवर्तमान अधिकारी शामिल है। वैसे जिस तरह से अग्रवाल को घेरा गया है और उन्हें बदनाम करने की चेष्टा की गई है उससे ज्यादातर अधिकारी नाराज है।

199 का फेर।

राजस्थान विधानसभा का मौजूदा भवन जब से बना है तब से 200 का आंकड़ा ज्यादा समय नहीं रह पाता है मौजूदा अध्यक्ष देवनानी ने कई पूजा पाठ करा ली है विभिन्न द्वार के नाम बदल दिए हैं परंतु 200 का आंकड़ा ज्यादा समय नहीं रह पाया है अब विधायक जसवंत यादव के निधन के बाद फिर 199 विधायक रह गए हैं और इनका चुनाव होने तक फिर संख्या कम हो जाएगी ऐसी शंका जताई जा रही है।

दिल्ली को मजबूत करते गहलोत।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ढाई साल तक राजस्थान में अपनी पकड़ कार्यकर्ताओं और संगठन पर मजबूत करने के बाद अब दिल्ली की ओर रुख कर लिया है कहते हैं पिछले दिनों दिल्ली रैली में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, इसके बाद गांधी परिवार से भी उनकी वन टू वन बात हो गई है, उनके सानिध्य में दिल्ली में हुई 2 दिन की नुक्कड़ नाटक कार्यशाला भी सफल रही और उसकी चर्चा पूरे संगठन में भी हुई। कहां जा रहा है कि उनके अनुभव और वफादारी का दिल्ली जल्दी ही उपयोग करना चाहती है।

कारवां बढ़ने लगा।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का कारवां अब दिनों दिन बढ़ रहा है शनिवार को अलवर में दिवगंत विधायक जसवंत यादव के निवास पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने पहुंची राजे का लंबा चौड़ा काफिला देखने को मिला। एक दर्जन से ज्यादा वर्तमान और पूर्व मंत्री विधायक उनके साथ मौजूद थे वापस लौटते हुए जब वे हाईवे पर ओल्ड राव रेस्टोरेंट में खाना खाने रुकी तो उनसे मिलकर परिचय देने और फोटो खींचाने वालों की होड़ लग गई।

मुकाबले का आएगा मजा।

लंबे समय से राज्य सरकार अपने 2 साल के कार्यकाल और कांग्रेस के 5 साल के कार्यकाल की विज्ञापन के जरिए तुलना कर रही थी, कांग्रेस का पक्ष आ नहीं पा रहा था पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अब हर शनिवार को बजट फाइल जारी करने का ऐलान करते हुए शनिवार को जल जीवन मिशन पर पहली फाइल जारी कर दी और खुलासा किया कि एक साल में हमने जो काम किया था भाजपा सरकार 3 साल में भी नहीं कर पाई है हाथों-भाजपा के मंत्री का जवाब भी आ गया। पब्लिक को मजा भी आया क्योंकि दोनों का पक्ष था और सच्ची बात निकल कर आई, इसलिए आने वाले दिनों में और भी मजा आएगा समाचार पत्र और टीवी पर भाजपा कांग्रेस में कुश्ती देखने को मिलेगी।

उड़ता तीर
.....प्रदीप लोढ़ा

ऑपरेशन खुशी-11 बाल दिवस पर अजमेर पुलिस ने परिवार के चेहरों पर लौटाई खोई मुस्कान

नौ माह से लापता बालिका को अजमेर पुलिस ने नई दिल्ली से किया दस्तयाब

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस की ओर से गुमशुदा एवं लापता नाबालिग बच्चों की तलाश और पुनर्स्थापना के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन खुशी-11 के तहत अजमेर जिला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस थाना गांधीनगर, किशनगढ़ की टीम ने नौ माह से लापता बालिका को नई दिल्ली से दस्तयाब कर उसके परिजनों से मिलवाया। बालिका की तलाश एवं दस्तयाबी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। विशेष बात यह रही कि बालिका ने अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर नाम-पता बदल लिया था और नई दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित किलकारी रेनबो होम फॉर गर्ल्स फाउंडेशन में रह रही थी।

300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, 2286 मोबाइल नंबरों की सीडीआर का किया विश्लेषण अजमेर पुलिस अधीक्षक श्री हर्षवर्धन अग्रवाला ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 19 फरवरी 2026 को बालिका के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद उसकी तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (सिविल राइट्स एवं एएचटीयू) के निर्देशन में संचालित ऑपरेशन खुशी-11 के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. लालचन्द कायल के निर्देशन एवं पुलिस उप अधीक्षक किशनगढ़ शहर श्री धर्मराज चौधरी के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी श्री अनिल कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार प्रयास किए। बालिका की तलाश के लिए पुलिस ने राजस्थान के जयपुर, खाटूश्यामजी, अलवर, कोटा, कोटपूतली, नागौर, सीकर, चूरू, जोधपुर, अजमेर एवं टोंक सहित अनेक जिलों में सघन अभियान चलाया।

इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के बरेली एवं आगरा, नई दिल्ली, भोपाल और रतलाम सहित विभिन्न शहरों के धार्मिक स्थलों, शिक्षण संस्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, बालिका गृहों, बाल कल्याण समितियों, सखी वन स्टॉप सेंटर, बचपन बचाओ संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठनों से संपर्क कर तलाश की गई।

पुलिस टीम ने बालिका की संभावित आवाजाही के मार्गों पर 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। वहीं थाना गांधीनगर एवं साइबर सेल अजमेर की तकनीकी टीमों ने करीब 2286 संदिग्ध मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल का विश्लेषण किया तथा इंस्टाग्राम, स्नैपचैट सहित विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर भी लगातार निगरानी रखी।